www.tamsasanket.com
वर्षः 30 || अंक 41 || अम्बेडकरनगर
शनिवार
02 मई 2026 || पृष्ठः 08 || मूल्यः ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा
दैनिक
तमसा संकेत
https://epaper.tamsasanket.com
अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित
» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र
मौसम
सूर्योदयः 05:28
सूर्यास्तः 06:39
अधिकतमः 35°00
न्यूनतमः 24°00

विशेष समाचार
पाकिस्तान : सिंध प्रांत में बढ़ ... >>पेज 04
महिलाओं ने स्मार्ट मीटर... >>पेज 06
साई पल्लवी की जबरदस्त...

श्रमिकों को 5 लाख का बीमा

मजदूर दिवस पर योगी बोले जो काम का दाम नहीं देगा, उसका काम तमाम होगा

ऐलान

हेमन्त कृष्ण

तमसा संकेत, लखनऊ । यूपी में 15 लाख श्रमिकों को 5 लाख रुपए का स्वास्थ्य बीमा मिलेगा। शुक्रवार को सीएम योगी ने लखनऊ में मजदूर दिवस पर इसका ऐलान किया। सीएम ने कहा- हमने बचपन में देखा है कि लोग काम कराते थे, लेकिन जब पैसे देने की बारी आती थी तो भुगतान नहीं करते थे। अब सरकार ने तय किया है कि ऐसा नहीं चलेगा। अगर काम किया है तो काम का दाम भी देना पड़ेगा। जो काम का दाम नहीं देगा, उसका काम सरकार तमाम करेगी।

>> (शेष पेज 06 पर)

सीएम योगी और दोनों डिप्टी सीएम केशव-ब्रजेश पाठक ने मंच पर श्रमिकों को टूलकिट देकर सम्मानित किया।

जो काम का दाम नहीं देगा, उसका काम तमाम होगा

योगी बोले- हमने बचपन में देखा कि लोग काम कराते थे, जब पैसे देने की बारी आती तो पैसे नहीं देते थे। अब सरकार ने कहा है कि ऐसा नहीं चलेगा। अगर काम किया है तो काम का दाम भी देना पड़ेगा। काम का दाम जो नहीं देगा, उसका काम तमाम सरकार करेगी। श्रमिकों के लिए इस इच्छाशक्ति के साथ काम हो रहा है।

उत्तर प्रदेश, उद्यम प्रदेश बनकर देश का ग्रोथ इंजन बना

सीएम योगी ने कहा उत्तर प्रदेश, उद्यम प्रदेश बनकर देश का ग्रोथ इंजन बना है। यह केवल भाषण से नहीं हुआ। इसके लिए काम किए गए हैं। आज चाहे आप सीतापुर के हों या किसी जिले के। लखनऊ में भी राशन ले सकते हैं।

याद करिए कोरोना की त्रासदी को, विपक्षी नेता रजाई तानकर सो गए थे

सीएम ने कहा- याद करिए कोरोना की त्रासदी को, विपक्षी नेता रजाई तानकर सो गए थे। कोई सामने नहीं आ रहा था। अगर कोई सामने आया तो वह थी डबल इंजन की सरकार। हमने 14 हजार बसें एनसीआर में भेजीं। आदेश दिया कि कोई भी श्रमिक उत्तर प्रदेश आएगा, उसके लिए आवास, रहना-खाना एकदम फ्री में रहना चाहिए। उस समय 1 करोड़ लोगों को रहने की व्यवस्था की। सबका राशन कार्ड बनवाया गया। पहले 15 दिन, फिर जब तक कोरोना काल चला तब तक उन्हें फ्री में राशन दिया। उसके बाद वह राशन अब तक जारी है।

- सीएम योगी बोले- आपके बच्चे पढ़ाई से वंचित नहीं रहेंगे। उनके लिए अटल आवासीय विद्यालय संचालित हैं, जहां सीबीएसई बोर्ड की भी पढ़ाई कराई जा रही है। आज नोएडा के जेवर में मुख्यमंत्री कंपोजिट विद्यालय की आधारशिला रखी है जिसमें केवल श्रमिकों के बच्चों का एडमिशन होगा।

जो भी गरीब के हक में डकैती डालता था, उसकी जगह हवालात में

सीएम ने कहा- आपके लिए कोई भी मौसम हो, गैस कनेक्शन के लिए भटकना नहीं पड़ता है। यूपी में 2 करोड़ उज्ज्वला के कनेक्शन हैं। पहले कुछ लोग गरीबों का राशन चट कर जाते थे। अब प्रदेश के 16 करोड़ लोगों को फ्री में राशन मिल रहा है। जो भी गरीब के हक में डकैती डालता था, उसकी जगह हवालात में है।

- सीएम योगी ने कहा- प्रदेश में 1947 से 2017 तक में 14000 उद्योग लग पाए। उसके बाद 2017 से अब तक में कुल 32000 उद्योग हो गए हैं। मतलब 18000 नए उद्योग लगे और 65 लाख से ज्यादा लोगों को नौकरी मिली।

आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू के 2 गुर्गों को सजा

मोहाली। पंजाब की मोहाली स्थित राष्ट्रीय जांच एजेंसी की विशेष अदालत ने पांच साल पहले मोगा के डीसी आफिस में खालिस्तानी झंडा फहराने के मामले में दो आरोपियों को दोषी करार दिया करते हुए 5 साल 6 महीने की सजा सुनाई है। साथ ही 16-16 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया गया है।

दोषियों में मोगा निवासी इंद्रजीत सिंह और जसपाल सिंह के रूप में उन्हें आईपीसी, यूए(पी) एक्ट और राष्ट्रीय सम्मान अपमान निवारण अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत दोषी पाया गया।

जांच के मुताबिक, दोनों आरोपियों ने स्वतंत्रता दिवस से एक दिन पहले मोगा के डिप्टी कमिश्नर (DC) कार्यालय की इमारत पर खालिस्तानी झंडा फहराया था। आरोपियों ने भारतीय तिरंगे की रस्सी काटकर उसे नीचे गिरा दिया और बाद में उसे घसीटा भी था।

सुप्रीम कोर्ट ने पवन खेड़ा को दी अग्रिम जमानत

50 हजार करोड़ की कंपनी होने के आरोप से जुड़ा मामला

सुनवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कांग्रेस नेता पवन खेड़ा को अग्रिम जमानत दे दी। मामला असम सीएम हिमंत बिस्वा सरमा की पत्नी के पास 3 विदेशी पासपोर्ट और अमेरिका में 50 हजार करोड़ की कंपनी होने के आरोप से जुड़ा है।

पवन खेड़ा ने 5 अप्रैल को दिल्ली और गुवाहाटी में प्रेस कॉन्फ्रेंस करके ये आरोप लगाए थे। इसके बाद रिनिकी भुइयां सरमा ने पवन के खिलाफ गुवाहाटी में FIR दर्ज कराई थी इसके बाद 7 अप्रैल को असम पुलिस ने खेड़ा के दिल्ली स्थित घर पर रेड की थी। सुप्रीम कोर्ट ने अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा- आरोप-प्रत्यारोप राजनीति से प्रभावित लगते हैं। लेकिन पवन खेड़ा को असम पुलिस की जांच में सहयोग करना होगा और वे बिना अदालत की अनुमति के भारत नहीं छोड़ सकते।

>> (शेष पेज 06 पर)

- कांग्रेस बोली- खेड़ा को डराने के लिए 60 पुलिसकर्मी भेजे गए

संविधान विरोधी आचरण कर रही सरकार : अखिलेश यादव

महिला आरक्षण पर भाजपा पर बरसे अखिलेश यादव

आरोप

- सपा प्रमुख ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में उठाए महंगाई, बेरोजगारी और कानून व्यवस्था के मुद्दे, सीबीआई जांच की मांग

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ । अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि सरकार महिलाओं को आरक्षण देने के प्रति गंभीर नहीं है और विपक्ष को बदनाम करने की साजिश कर रही है।

समाजवादी पार्टी मुख्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा कि वर्ष 2023 में नई संसद में महिला आरक्षण बिल को सभी दलों के समर्थन से पारित किया गया था और वह अब कानून बन चुका है, लेकिन भाजपा के मन में इसे लेकर खोट है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार महिला आरक्षण में संशोधन के नाम पर भ्रम फैलाने का काम कर रही है। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार ने महिला आरक्षण संशोधन और परिसीमन जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों को चुनाव के बीच लाकर लोकतांत्रिक प्रक्रिया को प्रभावित करने की कोशिश की।

>> (शेष पेज 06 पर)

फास्ट न्यूज

हिमाचल में 3 अप्रैल से फिर ओलावृष्टि का अलर्ट

शिमला । हिमाचल प्रदेश के अधिकांश भागों में आज मौसम साफ रहा। इससे मैदानी इलाकों के तापमान में हल्का उछाल जरूर आया है। मगर ज्यादातर जगह अधिकतम तापमान अभी भी सामान्य से कम बना हुआ है।

बदलाव निर्णय

अटारी बॉर्डर पर रिट्रीट सेरेमनी का समय बदला

अमृतसर। अमृतसर स्थित भारत-पाकिस्तान अटारी बॉर्डर पर होने वाली प्रसिद्ध रिट्रीट सेरेमनी के समय में बदलाव किया गया है। नए निर्णय के अनुसार अब रिट्रीट सेरेमनी शाम 6 बजे से शुरू होकर 6:30 बजे तक चलेगी। इससे पहले रिट्रीट 5:30 बजे शुरू होकर 6 बजे खत्म हो रही थी।

मौसम और दिन की घटती-बढ़ती रोशनी को ध्यान में रखते हुए प्रशासन ने यह फैसला लिया है। अधिकारियों का कहना है कि दर्शकों को बेहतर अनुभव देने और सुरक्षा व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए समय में यह बदलाव जरूरी था।

केंद्र ने नागरिकता नियमों में बदलाव किए

नई दिल्ली । गृह मंत्रालय ने शुक्रवार को सिटिजनशिप (संशोधन) नियम, 2026 लागू कर दिए हैं। नए नियमों के तहत अब ओवरसीज सिटीजन ऑफ इंडिया (OCI) के लिए आवेदन पूरी तरह ऑनलाइन करना होगा। साथ ही फिजिकल कार्ड के साथ e-OCI दस्तावेज की भी सुविधा दी गई है, जिससे प्रक्रिया ज्यादा सरल और डिजिटल हो जाएगी।

एमपी में हुए क्रूज हादसे में पायलट समेत 3 बर्खास्त

एक कर्मचारी सस्पेंड, बरगी डैम में 9 शव मिले

सर्चिंग

तमसा संकेत, एजेंसी

जबलपुर । मध्य प्रदेश के जबलपुर स्थित बरगी डैम में गुरुवार शाम करीब 5 बजे पर्यटन विभाग का एक क्रूज अचानक आई तेज आंधी के चलते डूब गया। अब तक 9 शव मिल चुके हैं। प्रशासन के मुताबिक, 28 लोगों को बचा लिया गया है। तीन बच्चों सहित 4 लोग लापता हैं। शुक्रवार शाम तक लापता लोगों का पता नहीं चल सका। रेस्क्यू के दौरान वहां तेज बारिश भी होने लगी। इसके बाद सर्चिंग रोक दी गई है। शनिवार सुबह 5 बजे से एक बार फिर सर्चिंग की जाएगी। इधर, जबलपुर के बरगी जलाशय में हुए दुखद क्रूज हादसे के बाद प्रशासन ने लापरवाही के मामले में कड़ा कदम उठाया है। क्रूज पायलट महेश पटेल, हेल्पर छोटेलाल गोंड और टिकट काउंटर प्रभारी बृजेंद्र की सेवाएं तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दी गई हैं।

>> (शेष पेज 06 पर)

- मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख और घायलों को 50 हजार रुपए

ममता यहीं 4 घंटे रुकी थीं, सुप्रीम कोर्ट में आज टीएमसी की याचिका पर सुनवाई

कोलकाता के ईवीएम स्ट्रॉन्ग रूम में पहुंचे सुवेंदु अधिकारी

तमसा संकेत, एजेंसी

कोलकाता। भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी शुक्रवार शाम 6.30 बजे कोलकाता के सखावत मेमोरियल स्कूल में EVM स्ट्रॉन्ग रूम पहुंचे। वे यहां करीब 10 मिनट रुके। इसी स्ट्रॉन्ग रूम में गुरुवार रात को सीएम ममता बनर्जी 4 घंटे बैठी रही थीं। दरअसल TMC ने चुनाव अधिकारियों पर बिना सूचना दिए EVM स्ट्रॉन्ग रूम खोलने, EVM से छेड़छाड़ और वहां संदिग्ध लोग मौजूद होने के आरोप लगाए हैं।

वहीं चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल के 15 बूथों पर शनिवार को दोबारा वोटिंग कराने का फैसला किया है। दरअसल 29 अप्रैल को दूसरे फेज की वोटिंग के दौरान डायमंड हार्बर के 4 और मगराहट पश्चिम के 11 बूथों पर हिंसा, EVM से छेड़छाड़ और झड़प हुई थी।

>> (शेष पेज 06 पर)

TMC उम्मीदवार कुणाल घोष (बाएं से दूसरे), शशि पांजा (बीच में) अन्य नेता कार्यकर्ताओं के साथ खुदीराम अनुशीलन केंद्र स्थित स्ट्रॉन्ग रूम के बाहर धरने पर बैठ गए।

सुप्रीम कोर्ट ने रविवार को पश्चिम बंगाल चुनाव मामले में टीएमसी की याचिका पर सुनवाई के लिए स्पेशल बेंच गठित की है। यह याचिका कलकत्ता हाईकोर्ट के उस आदेश के खिलाफ है, जिसमें काउंटिंग में केवल केंद्र सरकार और पीएसयू कर्मचारियों को सुपरवाइजर बनाने की बात कही गई थी।

ममता कल स्ट्रॉन्ग रूम में 4 घंटे बैठी रहीं

सीएम ममता बनर्जी करीब 8 बजे सखावत मेमोरियल गवर्नमेंट गर्ल्स हाई स्कूल के स्ट्रॉन्ग रूम पहुंचीं और लगभग 4 घंटे अंदर रहीं थीं। देर रात करीब 12:07 बजे बाहर निकलकर उन्होंने मीडिया से कहा, 'अगर EVM लूटने और मतगणना में हेरफेर की कोशिश हुई तो हम जान की बाजी लगा देंगे।'

कार्यक्रम : दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम की शुरुआत, श्रमिकों को किया गया सम्मानित

अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस पर भव्य आयोजन

उत्साह

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अम्बेडकरनगर । एनटीपीसी टांडा परिसर में शुक्रवार को अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत जिलाधिकारी ईशा प्रिया ने दीप प्रज्वलन कर की। इसके बाद श्रमिकों को सम्मानित किया गया और उनके योगदान को सराहा गया। पूरे परिसर में आयोजन को लेकर खास उत्साह देखने को मिला।

कार्यक्रम के दौरान कई श्रमिकों ने अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने कार्यस्थल पर मिल रही सुविधाओं और सहयोग के बारे में जानकारी दी। आयोजन में बड़ी संख्या में श्रमिकों की भागीदारी रही, जिससे कार्यक्रम और भी प्रभावी बना। एनटीपीसी टांडा प्रबंधन ने इस मौके पर श्रमिकों के लिए चलाई जा रही योजनाओं और सुविधाओं की जानकारी दी। इसमें सुरक्षा उपाय, स्वास्थ्य सुविधाएं और अन्य कल्याणकारी योजनाएं शामिल रहीं। प्रबंधन ने बताया कि श्रमिकों के हितों को ध्यान में रखते हुए लगातार सुधार किए जा रहे हैं। कार्यक्रम के माध्यम से श्रमिकों के प्रति सम्मान व्यक्त किया गया। >> (शेष पेज 06 पर)

> कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी ईशा प्रिया ने कहा कि देश के विकास में श्रमिकों की भूमिका सबसे अहम है। उन्होंने कहा कि किसी भी राष्ट्र की प्रगति मजदूरों के परिश्रम पर निर्भर करती है। उन्होंने श्रमिकों के अधिकार, सुरक्षा और कल्याण को प्राथमिकता देने पर जोर दिया। साथ ही औद्योगिक इकाइयों से सुरक्षित और सम्मानजनक कार्य वातावरण सुनिश्चित करने की अपील की।

अधिकारियों और प्रबंधन ने दी शुभकामनाएं

कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी आनंद कुमार शुक्ला, सहायक श्रमायुक्त राज बहादुर यादव, उपायुक्त उद्योग हरि प्रताप मौर्य, सहायक आयुक्त उद्योग अजय कुमार शर्मा सहित कई अधिकारी मौजूद रहे। इसके अलावा अल्ट्राटेक के मानव संसाधन प्रमुख करुणा करण तिवारी और एनटीपीसी टांडा के परियोजना प्रमुख जयदेव परिदा भी शामिल हुए। एनटीपीसी प्रबंधन की ओर से महाप्रबंधक (सतर्कता) सुभाष चंद्र सिंह, अपर महाप्रबंधक (मानव संसाधन) रजनीश खेतान और उप महाप्रबंधक (मानव संसाधन) अनुराग सिन्हा ने भी श्रमिकों को मजदूर दिवस की शुभकामनाएं दीं। सभी वक्ताओं ने श्रमिकों के हितों की रक्षा और बेहतर कार्य परिस्थितियां सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता दोहराई।

केंद्र ने नागरिकता नियमों में बदलाव किए

नई दिल्ली । गृह मंत्रालय ने शुक्रवार को सिटिजनशिप (संशोधन) नियम, 2026 लागू कर दिए हैं। नए नियमों के तहत अब ओवरसीज सिटीजन ऑफ इंडिया (OCI) के लिए आवेदन पूरी तरह ऑनलाइन करना होगा। साथ ही फिजिकल कार्ड के साथ e-OCI दस्तावेज की भी सुविधा दी गई है, जिससे प्रक्रिया ज्यादा सरल और डिजिटल हो जाएगी।

जम्मू के बनतालाब में पुल गिरा, 5-7 मजदूर दबे

मरम्मत के दौरान कार गुजरने से हादसा हुआ

रेस्क्यू

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। जम्मू के बनतालाब में शुक्रवार को पुल गिरने से 5 से 7 लोग दब गए। वहीं, एक की मौत हो गई है। पुलिस, सेना और स्थानीय प्रशासन की टीमें तुरंत मौके पर पहुंच गई हैं। मलबे में फंसे लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है।

मलबे से अब तक 3 मजदूरों को बाहर निकाल लिया गया है। भाजपा विधायक शाम लाल शर्मा ने बताया कि अभी 3 मजदूर मलबे में दबे हुए हैं। यहां मरम्मत का काम चल रहा था। भाजपा विधायक ने कहा कि यह पुराना पुल है जिसकी नींव कमजोर हो गई थी। नींव को मजबूत करने के लिए टेंडर जारी कर काम शुरू किया गया था। खुदाई के दौरान ऊपर से गुजरने वाली किसी गाड़ी की वजह से यह पुल गिर गया।

>> (शेष पेज 06 पर)

- 26 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के जोजिला पास में एवलांच कई गाड़ियां 8 फीट बर्फ में दबीं

भाजपा की साजिश हार गई तो विधानसभा में प्रस्ताव लेकर आए, सपा प्रमुख ने सीएम के गिरगिट वाले बयान पर किया पलटवार

असली गिरगिट का काम तो भाजपा कर रही : अखिलेश

> सपा प्रमुख ने कहा- भाजपा अरावली को बेचने जा रही थी। पहले से ही भाजपा तैयारी करती है कि किसे टेंडर देना है। इन्हें पर्यावरण, धरती, नदियों और जंगल से कोई लगाव नहीं है। इन्हें सिर्फ वोट चाहिए। इन्होंने जो टैबलेट दिए हैं, उनमें उंगली घिसते रहिए, चलता ही नहीं है। पीडीए की हवा चली तो उनकी जमानत जब्त होगी।

पलटवार

अरमान

तमसा संकेत, लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने शुक्रवार को लखनऊ में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा- कल हम लोग सदन में सीएम योगी को सुन रहे थे। पूरी बीजेपी इस कोशिश में है कि महिला आरक्षण के मुद्दे पर यह साबित किया जाए कि विपक्ष इसके खिलाफ है। सच्चाई यह है कि भाजपा देश की नारियों, महिलाओं को आरक्षण देना नहीं चाहती।

सपा प्रमुख ने सीएम के गिरगिट वाले बयान पर पलटवार किया। कहा- गिरगिट को करीब से देखिए तो एक रंग से दूसरे रंग में मिलता है। असली गिरगिट का काम तो भाजपा कर रही है। भाजपा की साजिश हार गई, इसलिए यह विधानसभा में प्रस्ताव लेकर आए। उनकी साजिश का खुलासा हो गया।

उन्होंने कहा- नारी वंदन को केवल नारा बनाना चाहते हैं। इसी साजिश के तहत ये लगातार सड़क और सदन में ऐसा कर रहे हैं। उनकी भाषा गिरगिटी है। आप खुद जानते हैं कि असली गिरगिट कौन है। महिलाएं कितनी असुरक्षित हैं। भाजपा के काम करने के तरीके की वजह से लोग कानून को नहीं मान रहे हैं। न्याय के लिए न्यायिक संस्थाओं पर भरोसा नहीं कर रहे हैं। सपा प्रमुख ने कहा- जब नई लोकसभा का गठन हुआ था और नई लोकसभा भवन का उद्घाटन हुआ था, उस समय सभी दलों ने समर्थन देकर महिला आरक्षण विधेयक को पास करने का काम किया था। लेकिन इसके बाद हाल ही में जिस तरह से सदन बुलाया गया, उसकी नीयत खोटी थी। वे यह चाहते थे कि सभी दलों के सांसद, चाहे वे बंगाल के हों या तमिलनाडु के, जहां भाजपा बुरी तरह हार रही है, वहां के सांसद चार-पांच दिन अपने चुनाव प्रचार में न लग पाएं।

भाजपा के लोग उद्योगपतियों के खेल में उलझे

अखिलेश ने कहा- मेरठ-अयोध्या का मास्टर प्लान बार-बार बदल रहे हैं। भाजपा के लोग उद्योगपतियों के खेल में उलझे हैं, इसलिए मजदूरों का भला नहीं कर रहे हैं। पेड़ों को ट्रांसलोकेट किया गया था। लोहिया पार्क बनने में एक भी पेड़ नहीं काटा गया था। अपने सीएम पेड़ों के बारे में नहीं जानते। एक पेड़ का नाम बता दें, बताएंगे बबूल, बेर, वनस्पति।

बंगाल में दीदी ऐतिहासिक वोट से जीतेंगी

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा- यूपी में जो ट्रायल किया था, उसका ऑपरेशन पश्चिम बंगाल में किया। पैरलल स्ट्रक्चर, सेंट्रल फोर्स का। रिवॉल्वर लगाकर वोट रोक दिया। इसके बाद भी दीदी ऐतिहासिक वोट से जीतेंगी। भाजपा की लाई हुई तकनीक पर भरोसा नहीं कर सकते। भाजपा की हर साजिश हारेगी। जनता समझदार है। इसलिए महिलाएं उनके आंदोलन में नहीं जुड़ रही हैं।

अखिलेश यादव ने बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर बौद्ध धर्म गुरुओं को सम्मानित किया।

इनॉगरेशन के बाद गंगा एक्सप्रेस-वे बंद कर दिया

अखिलेश ने कहा- इनॉगरेशन के बाद गंगा एक्सप्रेस-वे बंद कर दिया। इनके पहले के उद्घाटन भी देखे हैं। पता नहीं क्या-क्या महंगा हो जाता है। सिलेंडर के बढ़ने से रोटी से लेकर सबकुछ महंगा हो जाता है। ये लोग अपने लोगों का मुनाफा कम नहीं होने देते हैं। यूपी के सारे ठेकेदार हाथ खड़े कर देंगे कि सड़क कैसे बनाएं। मुश्किल है कि हम किस पर भरोसा करें।

फास्ट न्यूज

सारा ने आईएससी 12वीं में 98.7% लाकर रचा इतिहास

नई दिल्ली/लखनऊ। हौसले अगर बुलंद हों तो शारीरिक बाधाएं कभी रास्ता नहीं रोक सकतीं। लखनऊ की सारा मोइन ने इसे सच कर दिखाया है। सारा न देख सकती हैं, न सुन सकती हैं और न ही बोल सकती हैं, लेकिन उन्होंने ISC 2026 (12वीं) की परीक्षा में 98.7% अंक हासिल कर न केवल अपने स्कूल 'क्राइस्ट चर्च कॉलेज' में ह्यूमैनिटीज (मानविकी) स्ट्रीम में टॉप किया, बल्कि समाज के लिए एक मिसाल पेश की है।

चीन की दीवार के सामने 'सूर्या कमान' बना सुरक्षा की ढाल

लखनऊ। पश्चिमी सेक्टर में दुश्मन से मोर्चा लेने के लिए मजबूत बैकअप देना हो या अग्निवीरों को कड़ी ट्रेनिंग देकर सेना को मजबूती प्रदान करना। वर्ष 2013 की उत्तराखंड जैसी आपदा हो या फिर विभिन्न युद्ध और आपरेशन सिंदूर। मध्य कमान ने हर समय अपने पराक्रम का लोहा मनवाया है। सन 1963 में एक मई को जिस मध्य कमान की नींव लखनऊ में पड़ी, उसका दायरा अब देश के आठ राज्यों तक फैल गया है। मध्य कमान जिसे सूर्या कमान भी कहते हैं, वह चीन के सामने भी मजबूती की ढाल बनकर खड़ा है।

यूपी में महिला सुरक्षा का 'योगी मॉडल'

तमसा संकेत, एजेंसी

- 9 साल में 218 फास्ट ट्रैक कोर्ट और 5 करोड़ शिकायतों का हुआ समाधान

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में वर्ष 2017 से पहले महिला सुरक्षा एक चिंताजनक विषय था, जिसके चलते राज्य की छवि राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रभावित होती थी। हालांकि, बीते 9 वर्षों में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में 'सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन' के त्रिकोण पर किए गए कार्यों ने इस धारणा को पूरी तरह बदल दिया है। आज प्रदेश की बहन-बेटियों में सुरक्षा का गहरा भाव है, क्योंकि महिला सुरक्षा अब केवल सरकारी विज्ञापनों का हिस्सा नहीं, बल्कि एक जमीनी हकीकत बन चुकी है।

पिछली सपा सरकार के 5 वर्षों के कार्यकाल में एक भी फास्ट ट्रैक पॉक्सो कोर्ट का गठन नहीं हुआ था, जबकि पॉक्सो एक्ट 2012 में ही अस्तित्व में आ गया था। इसके विपरीत, योगी सरकार ने पिछले 9 वर्षों में 218 फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट (FTSC) स्थापित कर न्याय की प्रक्रिया को गति दी है। सरकार का लक्ष्य बलात्कार और पॉक्सो जैसे जघन्य अपराधों में 6 महीने के भीतर निर्णय सुनिश्चित करना है, ताकि अपराधियों को समयबद्ध तरीके से सजा मिल सके।

महिला सुरक्षा को आधुनिक बनाने के लिए योगी सरकार ने डिजिटल और फिजिकल सर्विलांस का सहारा लिया है।

डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य बोले-श्रमिक विकास के आधार

'श्रमवीर गौरव समारोह 2026' का आयोजन

- श्रमिकों को मिला सम्मान और योजनाओं का लाभ
- अटल आवासीय विद्यालय के छात्रों को टैबलेट वितरण

तमसा संकेत, संवाददाता

> डिप्टी सीएम ने कहा कि राज्य सरकार की श्रमिक कल्याण योजनाएं समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रही हैं और "डबल इंजन सरकार" के प्रयासों से गरीब और वंचित वर्ग के जीवन में सकारात्मक बदलाव आ रहा है।

लखनऊ। केशव प्रसाद मौर्य ने शुक्रवार को गोमती नगर स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित 'श्रमवीर गौरव समारोह–2026' में हिस्सा लेते हुए श्रमिक कल्याण योजनाओं के शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित किया।

अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार श्रमिकों के उत्थान और उनके जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने श्रमिकों को विकास का आधार बताते हुए कहा कि सरकार उनके सम्मान और सशक्तिकरण के लिए जमीनी स्तर पर काम कर रही है।

कार्यक्रम के दौरान अटल आवासीय विद्यालय के मेधावी छात्रों को प्रमाण पत्र और टैबलेट वितरित किए गए, जिससे उनकी शिक्षा को नई दिशा मिलेगी और डिजिटल युग में आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा। इसके अलावा श्रमिकों को प्रमाण पत्र और विभिन्न व्यवसायिक टूलकिट भी प्रदान किए गए, जिससे वे आत्मनिर्भर बन सकें और अपनी आजीविका मजबूत कर सकें।

इस मौके पर योगी आदित्यनाथ, ब्रजेश पाठक, अनिल राजभर और मनोहर लाल 'मन्नू कोरी' समेत कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

पिता को वीडियो कॉल करने के बाद नर्सिंग छात्र ने की आत्महत्या

लखनऊ। इंदिरानगर बी-ब्लाक में नर्सिंग के छात्र 23 वर्षीय रवि प्रकाश ने बुधवार देर रात में फंदे से लटककर जान दे दी। खुदकुशी से पहले छात्र ने पिता को वीडियो काल कर बात की थी। पिता का कहना है कि कानपुर की एक युवती को लेकर बेटा तनाव में था। इंस्पेक्टर गाजीपुर राजेश कुमार मौर्या ने बताया कि परिवारजन ने अभी तक कोई लिखित तहरीर नहीं दी है। मूल रूप से बस्ती के बाईपोखर निवासी मेडिकल स्टोर संचालक राकेश का बेटा रवि इंदिरानगर बी-ब्लाक में किराए के मकान में रहता था। रवि संग भाई अमित भी रहता था। रवि प्रकाश निजी इंस्टीट्यूट में बीएससी नर्सिंग द्वितीय वर्ष का छात्र था। अमित पॉलिटेक्निक चौराहे के पास एक कंपनी में नौकरी करता है।

बुधवार देर रात रवि प्रकाश ने पिता राकेश को वीडियो कॉल की। बताया कि मकान मालिक ने कमरा खाली करने के लिए कहा है। वह कमरे की तलाश कर रहा है।

दुबई नौकरी करने जा रहा था, अधिकारियों ने लिखाई एफआईआर, पुलिस को सप्लाई का शक

एयरपोर्ट पर तमंचे के साथ पकड़ा गया युवक

तमसा संकेत, एजेंसी

सरोजनी नगर, लखनऊ। लखनऊ एयरपोर्ट पर एक युवक तमंचे के साथ पकड़ा गया है। उसने लगेज के अंदर तमंचा छिपा रखा था। काउंटर पर जैसे ही लगेज लेकर गया तो उसकी जांच हुई तो उसमें तमंचा निकला।

एयरपोर्ट के सिक्योरिटी गार्ड्स ने अधिकारियों को इसकी सूचना दी। अधिकारियों ने सरोजनी नगर थाने से पुलिस बुला ली। इसके बाद युवक के खिलाफ FIR दर्ज करवाई। पुलिस को तमंचा के दुबई में सप्लाई किए जाने का शक है। युवक की पहचान गोंडा के चांदपुर लखपत राय के महेश कुमार चौहान के रूप में हुई। वह 12वीं पास है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, महेश पर दुबई में अवैध तमंचे के कारोबार के लिए इसे सैंपल के तौर पर ले जाने का संदेह है। पुलिस ने बरामद तमंचा जब्त कर लिया है। आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। मामले की विस्तृत जांच जारी है।

लगेज बुकिंग काउंटर पर पकड़ा गया

घटना शुक्रवार सुबह की है। युवक महेश कुमार चौहान सुबह एयरपोर्ट पहुंचा। वह एअर इंडिया की फ्लाइट (आईएक्स 193) से दुबई जाने वाला था। बुकिंग काउंटर पर लगेज की सुरक्षा जांच के दौरान उसके बैग की तलाशी ली गई। जांच में उसके बैग से 12 बोर का तमंचा निकला।

सुरक्षाकर्मियों ने महेश को तमंचे के साथ पकड़ा और सरोजनी नगर पुलिस को सौंप दिया। पुलिस की शुरुआती पूछताछ में महेश ने बताया कि वह नौकरी के सिलसिले में दुबई जा रहा था। हालांकि, उसके बैग में तमंचा कैसे आया, इस बारे में वह कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे सका।

दुबई में करता था लेबर का काम

जानकारी के अनुसार आरोपी युवक 2023 में दुबई गया था। वहां लेबर (मजूदरी) का काम करता था। करीब 5 महीने पहले दुबई से घर आया था। इसके बाद दोबारा दुबई जा रहा था।

> एसीपी कृष्णा नगर रजनीश वर्मा ने बताया कि चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के लेवल 2ए सुपरवाइजर आदर्श मिश्रा की तहरीर पर सरोजनी नगर थाने में मामला दर्ज किया गया है। युवक के खिलाफ आगे की कार्रवाई की जा रही है। गोंडा के सभी थानों से उसकी डिटेल खंगाली जा रही है। शुरुआती जांच में आरोपी का कोई आपराधिक इतिहास सामने नहीं आया है। फिर भी पुलिस सतर्कता बरत रही है।

अजय राय अचानक बेहोश मेदांता अस्पताल में एडमिट

पार्टी ऑफिस में तबीयत खराब हुई

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष अजय राय शुक्रवार को अचानक बेहोश हो गए। उनकी तबीयत बिगड़ गई। उन्हें तत्काल मेदांता हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। इमरजेंसी में एक्सपर्ट डॉक्टरों की निगरानी में उनका इलाज चल रहा।

डॉक्टर्स की टीम उनकी देखभाल में लगी हुई है। जानकारी के मुताबिक अजय राय पार्टी के शुक्रवार को पार्टी ऑफिस में थे। इस दौरान बेचैनी, दर्द और तकलीफ की शिकायत हुई। कुछ ही देर में वो बेहोश हो गए। जिसके बाद उन्हें मेदांता में डॉक्टर्स की देखरेख में इमरजेंसी में एडमिट कराया गया है।

मेदांता लखनऊ के निदेशक डॉ.राकेश कपूर ने बताया कि अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय को लाया गया है। सीने में दर्द, बेचैनी और बेहोशी की शिकायत के बाद इमरजेंसी में भर्ती किया गया है। अभी एक्सपर्ट डॉक्टर की निगरानी में इलाज शुरू किया गया है। कई विभागों के एक्सपर्ट्स को इलाज के लिए तैनात कर दिया गया है।

इमरजेंसी में भर्ती होने के बाद अजय राय का ब्लड सैंपल जांच के लिए भेजा गया है। ट्रॉप टी और ट्रॉप आई की जांच भी कराई जा रही है। फिलहाल कार्डियोलॉजिस्ट और ICU हेड मौके पर मौजूद है।

कई बैठकों के बाद भी संगठन विस्तार व पद बंटवारे पर असमंजस का ब्रेकर

लखनऊ। पांच माह पहले पंकज चौधरी भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बने और अब विधानसभा चुनाव सिर्फ आठ माह दूर है, लेकिन संगठन अब तक पूरा आकार नहीं ले पाया है। महिला जनाक्रोश अभियान भी 30 अप्रैल को समाप्त हो रहा, ऐसे में पार्टी के सामने नई टीम बनाने व जमीनी कार्यकर्ताओं के समायोजन की चुनौती है।

प्रदर्शन : नया जारी, स्टूडेंट्स ने खत्म किया धरना, दूषित खाने से हुई थी छात्रा की मौत

बीबीएयू के यशोधरा हॉस्टल में मेस का टेंडर कैंसिल

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । बाबासाहब भीमराव आंबेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रशासन के दावे के उलट एक वीडियो सामने आया है। इसमें मेस में फैली गंदगी दिख रही है। गंदगी के बीच ही कर्मचारी बर्तन धुल रहा है। इसके अलावा मेस का वाटर कूलर बेकार हो चुका दिख रहा है।

दरअसल, यूनिवर्सिटी के छात्र-छात्राओं ने बीएससी-एमएससी इंटीग्रेटेड कोर्स की फर्स्ट ईयर छात्रा की मौत का कारण खराब और दूषित खाने को बताया था। मंगलवार शाम छात्रा की मौत के बाद से स्टूडेंट्स का धरना कैंपस में तीसरे दिन भी जारी रहा। हालांकि गुरुवार देर शाम छात्रों को किसी तरह विश्वविद्यालय प्रशासन से जुड़े लोगों ने समझाकर प्रदर्शन स्थल से उठने को राजी कर लिया। रजिस्ट्रार अश्वनी सिंह के साथ मौके पर प्रॉक्टर प्रो. रामचंद्र सहित प्रॉक्टोरियल बोर्ड की टीम के सदस्य धरना स्थल पर पहुंचे। स्टूडेंट्स से उनकी मांगों को पूरा करने के लिए मंगलवार तक की मोहलत लेकर रात करीब रात 9 बजे उनका धरना खत्म कराया। इस बीच BBAU प्रशासन की तरफ से यशोधरा हॉस्टल के मेस संचालक का टेंडर कैंसल कर दिया। 1 मई से नए मेस संचालक को तैनात कर दिया गया है। उसे अच्छी क्वालिटी का खाना स्टूडेंट्स के लिए तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं। इससे पहले मंगलवार रात छात्रा की मौत की सूचना पाकर करीब ढाई हजार स्टूडेंट्स वीसी के आवास पर पहुंच गए थे। वहां उनसे मुलाकात नहीं हुई तो रातभर धरने पर बैठे रहे।

> जूलॉजी के स्टूडेंट विराल भारती कहते हैं कि यूनिवर्सिटी की एक छात्रा की मौत हो जाती है पर कैंपस में विश्वविद्यालय प्रशासन की तरफ से कंडोलेंस मीट तक नहीं बुलाई जाती है। बुधवार को सामान्य दिनों की तरह ही कामकाज हुआ। उसे श्रद्धांजलि देकर एक दिन का अवकाश किया जाना चाहिए था।

तोड़फोड़ के आरोपों के बाद छात्रों के खिलाफ जांच

मंगलवार रात को वीसी आवास का घेराव करने को लेकर विश्वविद्यालय प्रशासन ने छात्रों के खिलाफ जांच समिति बना दी। प्रशासन का कहना है कि छात्रावास में खराब भोजन परोसने के आरोप निराधार हैं। इस संबंध में कोई औपचारिक शिकायत नहीं मिली है।

कुछ शरारती छात्र मामले को गलत तरीके से पेश कर विश्वविद्यालय में माहौल बिगाड़ रहे हैं। छात्रों ने वीसी आवास में घुसकर तोड़फोड़ की। इसकी जांच के लिए समिति गठित की गई है। दोषियों पर कार्रवाई की जाएगी।

केएमसी भाषा विश्वविद्यालय में स्टूडेंट्स से अवैध वसूली हंगामा

छात्र बोले- बैग जमा करने के नाम पर जबरन रुपए लिए

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ के ख्वाजा मोईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में सेमेस्टर परीक्षाओं के दौरान वसूली का मामला सामने आया है। आरोप है कि छात्रों से बैग जमा कराने के नाम पर 20 रुपए लिए जा रहे थे। इसको लेकर विश्वविद्यालय परिसर में छात्रों ने विरोध जताया और हंगामा किया। मामले से जुड़ा वीडियो भी सामने आया है।

छात्रों का कहना है कि परीक्षा देने पहुंचे सभी स्टूडेंट्स को बैग बाहर जमा कराने के निर्देश दिए गए। इसके लिए विश्वविद्यालय परिसर में अलग से व्यवस्था बनाई गई थी, जहां छात्रों से नकद रुपए वसूले जा रहे थे। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में कुछ छात्र बैग जमा करने के नाम पर पैसे लिए जाने का विरोध करते दिखाई दे रहे हैं। एक वीडियो में विश्वविद्यालय द्वारा 80 हजार की फीस लेने के बावजूद बैग जमा करने के नाम पर वसूली करने की बात कही जा रही हैं। वहीं, वीडियो सामने आने के बाद मामले ने तूल पकड़ लिया है। हालांकि, विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से इस मामले में कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया था। वहीं, इस मामले में परीक्षा नियंत्रक विकास की तरफ से जारी स्टेटमेंट में बताया गया कि कुछ स्टूडेंट्स को बैग संबंधी व्यवस्था को लेकर भ्रम की स्थिति उत्पन्न हुई थी।

सवालों के घेरे में विश्वविद्यालय प्रशासन की भूमिका

विरोध करने वाले छात्रों ने आरोप लगाया कि यह पूरी प्रक्रिया अवैध है। इसमें विश्वविद्यालय प्रशासन के साथ प्रॉक्टोरियल बोर्ड के कुछ सदस्यों की भी भूमिका है। छात्रों के मुताबिक, विश्वविद्यालय के गार्ड्स को बैग जमा कराने और पैसे लेने की जिम्मेदारी दी गई थी। कई छात्रों ने सवाल उठाया कि जब विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से बैग रखने की व्यवस्था की गई है तो इसके लिए शुल्क क्यों लिया जा रहा है। छात्रों ने इसे खुली वसूली बताते हुए तत्काल बंद कराने की मांग की।

पारिवारिक विवाद में भतीजे ने चाचा की ली जान, पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

जैतपुर हत्याकांड का खुलासा

कार्रवाई

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अम्बेडकरनगर । जैतपुर थाना क्षेत्र में 26 अप्रैल को हुई हत्या की गुत्थी पुलिस ने सुलझा ली है। ग्राम आशापार में हुई इस वारदात में पुलिस ने मृतक संतोष तिवारी के भतीजे मोनू उर्फ इंद्रमणि तिवारी को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने पूछताछ में हत्या की बात स्वीकार की है।

मृतक की पत्नी कमला देवी की तहरीर पर जैतपुर थाने में मामला दर्ज किया गया। शुरुआत में अज्ञात हमलावर के खिलाफ केस दर्ज हुआ था, बाद में जांच में आरोपी की पहचान सामने आई।

रात में सोते समय किया गया हमला

पुलिस जांच के अनुसार घटना 26 अप्रैल की तड़के की है। संतोष तिवारी बारात से लौटने के बाद गौशाला के पास मच्छरदानी लगाकर सो रहे थे। इसी दौरान आरोपी ने उन पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। गंभीर चोट लगने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। पास में सो रही पत्नी के जागने पर वह भाग निकला।

पुलिस ने मामला गंभीर धाराओं में दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू की। जांच के दौरान पुलिस ने मोनू उर्फ इंद्रमणि तिवारी को आशापार ट्रांसफार्मर नहर पुलिया के पास से गिरफ्तार किया। उसके पास से कुल्हाड़ी का बेंट भी बरामद हुआ है। आरोपी को न्यायालय में पेश करने की प्रक्रिया चल रही है।

आरोपी ने बताया कि उसने पहले से कुल्हाड़ी का इंतजाम कर लिया था। 25 अप्रैल की शाम से ही वह हत्या की योजना बना रहा था। रात में मौका देखकर उसने सोते समय वार किया।

अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी डॉ. तेजवीर सिंह ने बताया कि हत्या की घटना का खुलासा कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। बरामदगी और पूछताछ के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

सूचना पर पहुंची पुलिस

घटना की जानकारी पीआरबी के माध्यम से पुलिस को मिली थी। घायल को तत्काल सीएचसी जलालपुर भेजा गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। इसके बाद पुलिस ने पंचायतनामा की कार्रवाई कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। फील्ड यूनिट और एसओजी टीम ने मौके पर पहुंचकर साक्ष्य जुटाए थे। प्रारंभिक जांच में मामला संदिग्ध पाया गया, जिसके बाद गहन विवेचना शुरू की गई।

पुलिस पूछताछ में आरोपी ने बताया कि चाचा संतोष तिवारी उसे शराब पीने की लत को लेकर लगातार डांटते थे। कई बार सार्वजनिक रूप से अपमानित करने से वह मानसिक रूप से आक्रोशित था। आरोपी ने यह भी बताया कि उसके खिलाफ फैलाई गई बातों के कारण उसकी सामाजिक छवि खराब हो रही थी, जिससे उसका विवाह भी प्रभावित हो रहा था।

जिला अस्पताल की व्यवस्था पर सवाल बच्ची की मौत पर बवाल

जहरीले जंतु के काटने के बाद भर्ती, समय पर इलाज न मिलने का आरोप

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर के जिला अस्पताल में एक बार फिर स्वास्थ्य व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हुए हैं। अकबरपुर कोतवाली क्षेत्र के खानपुर सुलेम गांव की 5 वर्षीय अंशिका की बृहस्पतिवार देर शाम मौत हो गई। परिजनों का आरोप है कि जहरीले जंतु के काटने के बाद बच्ची को अस्पताल लाया गया, लेकिन समय पर इलाज शुरू नहीं किया गया। परिजनों के अनुसार बच्ची को गंभीर हालत में अस्पताल पहुंचाया गया था। आरोप है कि ड्यूटी पर मौजूद चिकित्सकों ने शुरुआत में मामले को गंभीरता से नहीं लिया। इलाज में देरी हुई और हालत लगातार बिगड़ती चली गई। जब तक उपचार शुरू हुआ, तब तक बच्ची की हालत नाजुक हो चुकी थी। जिला अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड पर पहले भी इलाज में लापरवाही के आरोप लगते रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि रात के समय व्यवस्था और कमजोर हो जाती है।

मौत के बाद अस्पताल गेट पर धरना, बढ़ा तनाव

बच्ची की मौत की सूचना मिलते ही परिजन भड़क उठे। उन्होंने अस्पताल परिसर में हंगामा शुरू कर दिया और गेट पर बैठकर विरोध जताया। परिजनों का कहना था कि यह मौत नहीं, लापरवाही का परिणाम है। "समय पर इलाज मिलता तो जान बच सकती थी" जैसे आरोप लगातार लगाए जाते रहे।

घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के गांवों के लोग भी अस्पताल पहुंच गए। देखते ही देखते भीड़ बढ़ गई और माहौल तनावपूर्ण हो गया।

फास्ट न्यूज

हिमांशु मौर्य का अमेरिका के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय में चयन

अम्बेडकरनगर । जलालपुर क्षेत्र के युवा हिमांशु मौर्य का चयन अमेरिका के दो प्रमुख विश्वविद्यालयों जॉर्जिया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी और एमोरी यूनिवर्सिटी, अटलांटा में बायोमेडिकल इंजीनियरिंग में पीएचडी कार्यक्रम के लिए हुआ है। वे 2026 सेमेस्टर से अपनी शोध यात्रा शुरू करेंगे। हिमांशु मौर्य को इस कार्यक्रम के तहत ग्रेजुएट रिसर्च असिस्टेंट के रूप में पूर्ण वित्तीय सहायता प्रदान की गई है।

नाती ने लाठियों से बुजुर्ग दंपती को पीटा

हैदरगढ़ । बाराबंकी के हैदरगढ़ थाना क्षेत्र में जमीनी विवाद को लेकर एक नाती ने अपने दादा-दादी पर लाठियों से हमला कर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया। यह घटना शुक्रवार शाम मर्दापुर गांव में हुई, जिससे पूरे इलाके में सनसनी फैल गई।

जानकारी के अनुसार, मर्दापुर निवासी 75 वर्षीय जग प्रसाद शुक्ला अपनी पत्नी तुलसा देवी के साथ घर पर बैठे थे। इसी दौरान उनका नाती वहां पहुंचा और जमीन के बंटवारे को लेकर बातचीत शुरू हुई। यह बातचीत जल्द ही विवाद में बदल गई।

ठेकेदार के घर करोड़ों की चोरी

बाराबंकी। लखनऊ रोड स्थित शालीमार पैराडाइज आवासीय परिसर में एक ठेकेदार के घर करोड़ों रुपये की चोरी हुई है। चोरों ने ठेकेदार अजय बघेल के घर से करीब एक करोड़ रुपये के जेवर, एक लाख रुपये नकद और एक लाइसेंसी पिस्टल चुरा ली। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और क्राइम ब्रांच की टीमें मौके पर पहुंच गईं और जांच शुरू कर दी। अजय बघेल मूल रूप से देवरिया जिले के अहरौली क्षेत्र के निवासी हैं।

जनसुनवाई में पहुंचा मामला, मारपीट की शिकायत पर एफआईआर के निर्देश

बारात जाते समय रास्ते में गाली-गलौज और मारपीट का आरोप

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर । जनसुनवाई/जनता दर्शन के दौरान एक मारपीट से जुड़ा मामला सामने आया। आवेदक किशन यादव निवासी मुरवॉह थाना जलालपुर ने पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र देकर कार्रवाई की मांग की।

आवेदक के अनुसार घटना 28 अप्रैल 2026 की रात करीब 8 बजे की है। वह मोटरसाइकिल से बारात जा रहे थे। इसी दौरान ग्राम गौरा कमाल के पास कुछ लोगों ने उन्हें रोक लिया और गाली-गलौज करते हुए मारपीट की।

प्रार्थना पत्र में मुलायम यादव, अनूप यादव और कुछ अज्ञात लोगों पर मारपीट का आरोप लगाया गया है। जनसुनवाई के दौरान मामला सामने आने पर पुलिस अधीक्षक ने इसे गंभीरता से लिया। तत्काल संबंधित थाना जलालपुर को निर्देश जारी किए गए कि मामले में एफआईआर दर्ज कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाए।

साथ ही यह भी निर्देश दिए गए कि पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच की जाए और आवेदक के हितों को ध्यान में रखते हुए त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट किया कि ऐसे मामलों में देरी नहीं होनी चाहिए और शिकायत पर तुरंत विधिक प्रक्रिया अपनाई जाए। थाना पुलिस को निर्देशित किया गया कि घटना स्थल की जांच कर साक्ष्य एकत्र किए जाएं।

पुलिस की ओर से त्वरित संज्ञान और कार्रवाई के निर्देश मिलने के बाद आवेदक ने संतोष व्यक्त किया।

नोडल अधिकारी मनोज कुमार ने व्यवस्थाओं की परखी हकीकत

गेहूं क्रय केंद्रों का निरीक्षण, लक्ष्य बढ़ाने के निर्देश

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर । रबी विपणन वर्ष 2026-27 के तहत गेहूं खरीद व्यवस्था की निगरानी के लिए नामित नोडल अधिकारी मनोज कुमार ने गुरुवार को विभिन्न क्रय केंद्रों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान खरीद प्रक्रिया, तौल व्यवस्था और किसानों से संवाद कर जमीनी स्थिति का आकलन किया गया।

नोडल अधिकारी ने पीसीयू द्वारा संचालित अटवाई समसुद्दीनपुर केंद्र, पीसीएफ के बीपैक्स डोमनेपुर केंद्र और खाद्य विभाग के कटेहरी प्रथम केंद्र का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने तौल के लिए रखी गेहूं की बोरियों का रैंडम आधार पर वजन चेक कराया।

किसानों से सीधे बातचीत कर खरीद प्रक्रिया, भुगतान और सुविधा से जुड़ी जानकारी भी ली गई। निरीक्षण के दौरान केंद्र प्रभारियों को निर्देश दिए गए कि अधिक से अधिक किसानों से संपर्क कर लक्ष्य के अनुरूप खरीद सुनिश्चित करें।

निरीक्षण के बाद सर्किट हाउस में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में क्रय केंद्रवार खरीद की स्थिति की समीक्षा की गई। जिन केंद्रों पर औसत खरीद 22 प्रतिशत से कम पाई गई, वहां संबंधित जिम्मेदारों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए।

नोडल अधिकारी ने स्पष्ट किया कि लक्ष्य के अनुरूप खरीद न होने पर जवाबदेही तय की जाएगी। साथ ही क्रय की गति बढ़ाने के लिए जरूरी कदम उठाने के निर्देश दिए गए। बैठक में गेहूं भंडारण के लिए बोरो की उपलब्धता पर भी चर्चा हुई। नोडल अधिकारी ने केंद्रवार बोरों की स्थिति की समीक्षा करने को कहा। जहां कमी हो, वहां तत्काल आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

मेडिकल कॉलेज में मानसिक स्वास्थ्य पर जागरूकता कार्यक्रम

छात्रों को तनाव प्रबंधन और संतुलित जीवन के दिए गए सुझाव

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर । महामाया राजकीय एलोपैथिक मेडिकल कॉलेज, सद्दरपुर में गुरुवार को मानसिक स्वास्थ्य को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के निर्देशों के तहत हुआ। इसमें एमबीबीएस द्वितीय प्रोफेशन के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।

कार्यक्रम में मानसिक विशेषज्ञ डॉ अमित कुमार गुप्ता ने छात्रों से संवाद किया। उन्होंने बताया कि आज के समय में पढ़ाई और करियर को लेकर दबाव बढ़ा है। ऐसे में मानसिक संतुलन बनाए रखना जरूरी है। उन्होंने कहा कि नियमित दिनचर्या और सकारात्मक सोच से तनाव को नियंत्रित किया जा सकता है। विशेषज्ञों ने छात्रों को सलाह दी कि वे अपनी समस्याओं को छिपाने के बजाय साझा करें। समय पर मार्गदर्शन लेना मानसिक मजबूती का संकेत है। परिवार और दोस्तों का सहयोग मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है।

डॉ पारुल यादव ने डिजिटल जीवन और वास्तविक जीवन के बीच संतुलन बनाए रखने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि आत्म-देख-भाल को दिनचर्या का हिस्सा बनाना जरूरी है। इससे मानसिक स्थिति बेहतर रहती है।

कार्यक्रम के दौरान छात्रों ने सक्रिय भागीदारी की। कई छात्रों ने अपने अनुभव साझा किए और मानसिक दबाव से जुड़े सवाल पूछे। डॉ सुधांशु चंदेल ने छात्रों की जिज्ञासाओं का सरल तरीके से समाधान दिया।

चार माह के अवकाश के बाद वापसी, पहले भी संभाल चुकी हैं जिम्मेदारी

अकबरपुर नगर पालिका में फिर संभाली कमान

कार्यभार

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर । अकबरपुर नगर पालिका में गुरुवार को प्रशासनिक बदलाव के बीच बीना सिंह ने एक बार फिर अधिशासी अधिकारी (ईओ) का कार्यभार संभाल लिया। वह अवकाश पर जाने से पहले भी इसी पद पर कार्यरत थीं। करीब चार महीने के अंतराल के बाद उनकी वापसी से नगर पालिका को फिर स्थायी नेतृत्व मिला है।

नगर पालिका क्षेत्र में कई बुनियादी कार्य लंबित हैं। इसमें जल निकासी, सड़क मरम्मत और साफ-सफाई जैसी समस्याएं शामिल हैं। बीना सिंह के सामने अब इन कार्यों को तेजी से पूरा कराने की जिम्मेदारी होगी। साथ ही, विभिन्न सरकारी योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करना भी प्रमुख लक्ष्य रहेगा।

चार माह बाद एक बार फिर स्थायी ईओ के रूप में बीना सिंह की तैनाती से नगर पालिका के कामकाज में निरंतरता आने की संभावना है। उनके अनुभव को देखते हुए स्थानीय स्तर पर व्यवस्थाओं में सुधार और विकास कार्यों में गति की उम्मीद जताई जा रही है।

नगर पालिका और प्रशासन के बीच बेहतर तालमेल बनाए रखना भी जरूरी होगा। बीना सिंह की वापसी से कार्यों में स्पष्टता आने की उम्मीद है। अधिकारियों के बीच जिम्मेदारियों का बेहतर विभाजन होने से कामकाज में तेजी आ सकती है।

अवकाश के दौरान प्रभारी रहे एसडीएम विशाल सारस्वत

बीना सिंह के अवकाश पर जाने के बाद एसडीएम विशाल सारस्वत को प्रभारी ईओ की जिम्मेदारी दी गई थी। उन्होंने इस दौरान नगर पालिका के कार्यों को संभाला और दैनिक व्यवस्थाओं को जारी रखा। गुरुवार को औपचारिक रूप से बीना सिंह को कार्यभार सौंपा गया और विशाल सारस्वत को विदाई दी गई। हालांकि, वह परियोजना अधिकारी डूडा का दायित्व आगे भी निभाते रहेंगे।

पहले के कार्यकाल में व्यवस्थाओं पर दिया था जोर

बीना सिंह के पिछले कार्यकाल में नगर क्षेत्र की सफाई व्यवस्था, राजस्व संग्रह और योजनाओं के क्रियान्वयन पर विशेष ध्यान दिया गया था। उन्होंने कार्यों की नियमित समीक्षा और फील्ड स्तर पर निगरानी को प्राथमिकता दी थी। इसी कारण प्रशासनिक कार्यों में गति बनी रही।

युवा उद्यमी योजना से बढ़ा स्वरोजगार 2200 से अधिक लाभार्थी जुड़े

2025-26 में लक्ष्य से अधिक लोगों को मिला लाभ

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर । मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के तहत बड़ी संख्या में युवाओं को स्वरोजगार के अवसर मिले हैं। वित्तीय वर्ष 2025-26 में 2100 लाभार्थियों का लक्ष्य तय किया गया था, जबकि 2204 युवाओं को योजना का लाभ दिया गया। इस दौरान 916.68 लाख रुपये की धनराशि वितरित की गई। उपायुक्त उद्योग के अनुसार, यह योजना सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों को बढ़ावा देने और बेरोजगार युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए चलाई जा रही है। योजना के तहत 5 लाख रुपये तक की परियोजनाओं के लिए चार वर्ष तक बिना ब्याज ऋण दिया जाता है। इसके साथ ही परियोजना लागत का 10 प्रतिशत अनुदान भी मिलता है, जिससे शुरुआती पूंजी की समस्या कम होती है।

2026-27 में भी जारी है योजना का विस्तार

वित्तीय वर्ष 2026-27 में योजना के तहत 2200 लाभार्थियों का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। अब तक 40 युवाओं को 17.49 लाख रुपये की धनराशि बैंकों के माध्यम से उपलब्ध कराई जा चुकी है। आवेदन और स्वीकृति की प्रक्रिया आगे भी जारी है। योजना के चलते जिले में युवाओं के बीच स्वरोजगार को लेकर रुचि बढ़ी है। छोटे उद्योग, सेवा क्षेत्र और व्यापार से जुड़े नए उद्यम शुरू करने में युवा आगे आ रहे हैं। प्रशासन के अनुसार, योजना का उद्देश्य केवल आर्थिक सहायता देना नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना है।

राष्ट्रीय लोक अदालत को लेकर साइकिल रैली आज

सुबह 8 बजे दीवानी कचहरी से होगी शुरुआत

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर । राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने के लिए आज शुक्रवार को साइकिल रैली आयोजित की जाएगी। यह रैली सुबह 8 बजे दीवानी कचहरी परिसर से शुरू होगी। आयोजन का उद्देश्य लोगों को लोक अदालत के बारे में जागरूक करना है, ताकि अधिक से अधिक लोग इसका लाभ उठा सकें।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अनुसार, 9 मई 2026 को राष्ट्रीय लोक अदालत आयोजित की जाएगी। इसमें लंबित मामलों का निस्तारण आपसी सहमति से किया जाएगा। रैली के जरिए लोगों को बताया जाएगा कि वे बिना लंबी कानूनी प्रक्रिया के अपने मामलों का समाधान पा सकते हैं।

साइकिल रैली दीवानी कचहरी के गेट नंबर 1 से शुरू होकर डॉ. अम्बेडकर प्रतिमा (कलेक्ट्रेट गेट) पहुंचेगी। इसके बाद टांडा रोड, पटेल नगर तिराहा और बसखारी रोड (सिविल लाइंस रोड) से होते हुए गेट नंबर 3 पर समाप्त होगी।

सख्ती : स्कूल वाहनों की जांच तेज, 132 विद्यालयों ने नहीं किया डेटा अपडेट

स्कूल वाहनों की जांच तेज, 132 विद्यालयों ने नहीं किया डेटा अपडेट

विभागीय आंकड़ों के अनुसार अब तक 275 विद्यालय पोर्टल पर ऑनबोर्ड हो चुके हैं। इन विद्यालयों द्वारा 950 स्कूल वाहनों का पंजीकरण कराया गया है। वहीं, परिवहन विभाग ने 829 वाहनों का निरीक्षण कर उनकी लाइव फोटो पोर्टल पर अपलोड की है।

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर । स्कूली वाहनों की सुरक्षा और निगरानी को लेकर परिवहन विभाग ने सख्ती बढ़ा दी है। जिले के 132 ऐसे विद्यालय चिन्हित किए गए हैं, जिनके पास वाहन तो हैं, लेकिन उन्होंने अभी तक उनका विवरण परिवहन विभाग के पोर्टल पर अपडेट नहीं किया है।

इस स्थिति को गंभीर मानते हुए विभाग ने जिला विद्यालय निरीक्षक और जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी से आवश्यक कार्रवाई करने का अनुरोध किया है। उपसंभागीय परिवहन अधिकारी सतेंद्र यादव के अनुसार, स्कूल वाहनों की जांच के लिए छह विशेष टीमें गठित की गई हैं। ये टीमें विभिन्न तहसीलों में जाकर स्कूल वाहनों का स्थलीय निरीक्षण कर रही हैं। साथ ही उत्तर प्रदेश परिवहन विभाग के UP-ISVMP पोर्टल पर वाहनों को ऑनबोर्ड कर ऑनलाइन रिकॉर्ड तैयार किया जा रहा है। हालांकि 132 विद्यालय अभी भी पोर्टल पर अपने वाहन विवरण अपडेट नहीं कर रहे हैं। इससे सभी वाहनों का ऑनलाइन सत्यापन पूरा नहीं हो पा रहा है। विभाग ने इस पर नाराजगी जताई है।

स्थिति को देखते हुए जिला विद्यालय निरीक्षक और जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी से कहा गया है कि वे सभी विद्यालयों को निर्देश जारी करें। उनसे कहा गया है कि वे तत्काल पोर्टल पर ऑनबोर्ड होकर वाहनों का पूरा विवरण अपलोड करें, ताकि लाइव सत्यापन प्रक्रिया पूरी की जा सके।

सुरक्षा मानकों की कड़ी जांच

निरीक्षण के दौरान स्कूल वाहनों में सुरक्षा मानकों की जांच की जा रही है। इसमें वाहन का पीले रंग में होना, दोनों तरफ चालक और प्रबंधक के मोबाइल नंबर, सेफ्टी रॉड, आपातकालीन दरवाजा और अग्निशामक यंत्र की उपलब्धता शामिल है। इन मानकों का पालन न करने वाले वाहनों पर कार्रवाई की जा रही है।

जलालपुर ब्लॉक में मजदूर दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम

12 ग्राम पंचायतों की महिलाओं ने बढ़-चढ़कर लिया हिस्सा

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर । जलालपुर ब्लॉक में अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस के अवसर पर शुक्रवार को जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम जन शिक्षण केंद्र द्वारा ग्रामीण महिला सशक्तिकरण अभियान के तहत 12 ग्राम पंचायतों में संचालित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिला श्रमिकों ने भाग लिया।

कार्यक्रम की शुरुआत "मजदूर दिवस जिंदाबाद" के नारों के साथ हुई। इसके माध्यम से श्रमिकों के अधिकारों और उनकी एकजुटता का संदेश दिया गया। आयोजन का उद्देश्य महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना और योजनाओं की जानकारी देना रहा। कार्यक्रम समन्वयक हेमलता ने मजदूर दिवस के महत्व पर जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 1 मई 1886 को अमेरिका के शिकागो शहर में मजदूरों ने काम के घंटे कम करने के लिए बड़ा आंदोलन किया था। इस संघर्ष के बाद 8 घंटे काम, 8 घंटे आराम और 8 घंटे अन्य गतिविधियों का सिद्धांत लागू हुआ।

सामाजिक कार्यकर्ता रामहित ने श्रमिकों से जुड़े संवैधानिक प्रावधानों पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि श्रमिकों को सुरक्षित कार्यस्थल, समान मजदूरी, यूनियन बनाने का अधिकार और बाल श्रम निषेध जैसे अधिकार दिए गए हैं। महिलाओं के लिए प्रसूति अवकाश भी महत्वपूर्ण प्रावधानों में शामिल है।

सामाजिक कार्यकर्ता चांद तारा ने श्रम विभाग की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी।

सम्पादकीय

साइबर ठगों के साथी

कानपुर में चार बैंक मैनेजरों समेत आठ साइबर ठगों की गिरफ्तारी इस आशंका की पुष्टि करती है कि बैंक कर्मियों और आनलाइन ठगी करने वालों में मिलीभगत कायम हो गई है। आमतौर पर साइबर ठग ठगी की रकम इधर-उधर करने के लिए किसी अन्य के खातों यानी म्यूल खातों का सहारा लेते हैं। ऐसे तमाम खाते बैंक अधिकारियों की साठगांठ से खुलते हैं। कानपुर का प्रसंग पहला ऐसा प्रकरण नहीं, जिसमें साइबर ठगी के किसी मामले में बैंक अधिकारियों की भूमिका पाई गई हो। हाल के समय में इस तरह के कई मामले सामने आ चुके हैं, जो यह बताते हैं कि बैंक अधिकारी साइबर ठगों से मिलकर फर्जी या म्यूल खाते खुलवाते हैं। कुछ समय पहले लखनऊ में एक बैंक मैनेजर समेत चार लोगों को साइबर धोखाधड़ी के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।

इसी तरह तेलंगाना पुलिस ने एक विशेष अभियान चलाकर साइबर ठगों से मिलीभगत में दो बैंकों के मैनेजरों को गिरफ्तार किया था। ये बिना सत्यापन के खाते खुलवाते थे और इसके बदले साइबर ठगों से कमीशन लेते थे। कुछ बैंक मैनेजर डिजिटल अरेस्ट के जरिये की जाने वाली ठगी के मामले में भी गिरफ्तार किए जा चुके हैं।

साइबर ठगी के मामलों में बैंकों की संदिग्ध भूमिका का सबसे पहले उल्लेख सुप्रीम कोर्ट ने तब किया था, जब वह डिजिटल अरेस्ट के नाम पर की जाने वाली ठगी के मामलों की सुनवाई कर रहा था। उसके आदेश-निर्देश के बाद साइबर ठगों के खिलाफ सख्ती बरतनी शुरू हुई और उनकी गिरफ्तारियां भी हुईं। इसके अतिरिक्त रिजर्व बैंक के निर्देश पर भी बैंकों ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग करके ऐसी पहल शुरू की, जिससे ठगी का पैसा द्रुत गति से एक खाते से दूसरे और दूसरे से तीसरे में हस्तांतरित हो तो बैंकों को इसकी भनक लग जाए, पर यह ध्यान रहे कि साइबर ठग धोखाधड़ी के नए-नए तौर-तरीके इस्तेमाल करने में माहिर हैं। चूंकि इसकी भरी-पूरी आशंका है कि साइबर ठग आनलाइन धोखाधड़ी पर लगाम लगाने के लिए सक्रिय एजेंसियों को मात देने के लिए अपने तौर-तरीके बदल सकते हैं, इसलिए उन्हें सतर्क रहना होगा। वैसे भी यह देखने को मिलता रहा है कि पुलिस एवं अन्य एजेंसियां डाल-डाल हैं तो साइबर ठग पात-पात। इसकी भी अनदेखी न की जाए कि साइबर ठग भी एआइ समेत अन्य आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल करने में सक्षम हैं।

इसी कारण वे विदेश में बैठकर भी साइबर ठगी को अंजाम देते रहते हैं। साइबर ठगों की धरपकड़ में तेजी आने के बाद भी यह शुभ संकेत नहीं कि उनके दुस्साहस में कोई कमी आती नहीं दिखती। साइबर ठगी पर लगाम लगाने के लिए एजेंसियों की अपनी सक्रियता का स्तर बढ़ाने के साथ यह भी आवश्यक है आम लोगों को कम से कम इतना तो पता होना ही चाहिए कि डिजिटल अरेस्ट जैसी कोई प्रक्रिया नहीं होती।

पाकिस्तान : सिंध प्रांत में बढ़ रहे असंतोष, पंजाबी वर्चस्व के खिलाफ आक्रोश के नए संकेत

> आतंकवाद के अन्य मानकों में भी पिछले वर्ष की तुलना में वृद्धि हुई। 2025 में पाँच बड़े घटनाक्रम (प्रत्येक में कम से कम तीन मौतें) दर्ज किए गए, जबकि 2024 में ऐसे चार घटनाक्रम थे। इसी तरह, बड़े घटनाक्रमों से होने वाली मौतें 2024 में 13 से बढ़कर 2025 में 19 हो गई।

वैसे तो संपूर्ण पाकिस्तान ही संगठित आपराधिक गिरोह और आतंकवादी संगठनों की जद में है लेकिन इधर के दिनों में न केवल आतंकवाद नहीं अपितु संगठित आपराधिक समूह भी कानून व्यवस्था के सामने गंभीर चुनौती खड़ी करने लगे हैं। विगत 17 अप्रैल 2026 को सिंध प्रांत की राजधानी करांची के ओरंगी टाउन मंगोपिर क्षेत्र में सशस्त्र हमले में एक पुलिसकर्मी मारा गया। हमले में मारे गए सुरक्षाकर्मी की पहचान कांस्टेबल खादिम अली शाह के रूप में हुई। वहीं दूसरा सुरक्षाकर्मी, जिसकी पहचान, मोहम्मद तुफैल खान के रूप में हुई है, बुरी तरह घायल हो गया। यह घटना बेहद गंभीर है। इस घटना को इसलिए भी जटिल माना जा रहा है कि हमले की जिम्मेदारी Tehreek-e-Taliban Pakistan (TTP) ने ली है। वहीं दूसरी ओर 17 अप्रैल 2026 को ही, सुरक्षा बलों (SFs) ने कराची के लियारी टाउन में एक संयुक्त अभियान के दौरान टीटीपी के तीन आतंकवादियों को गिरफ्तार किया। उनके कब्जे से हथियार और गोला-बारूद, जिनमें एक 30-बोर पिस्तौल और 18 कारतूस शामिल थे, बरामद किए गए। प्रारंभिक पूछताछ के दौरान, आतंकवादियों ने कथित तौर पर महत्वपूर्ण खुलासे किए जिनमें कराची में एक बड़े हमले की योजना का खुलासा हुआ।

बीते 10 अप्रैल 2026 को एक नमाज़ी रेहान, पुत्र गुलाम नबी, को कराची में ख्वाजा अजमेर नगरी पुलिस स्टेशन के सेक्टर 5C-1 में एक मस्जिद के बाहर अज्ञात हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी। यह घटना तब हुई जब सशस्त्र मोटरसाइकिल सवारों ने फजर की नमाज़ के तुरंत बाद फारूक-ए-आज़म मस्जिद के प्रवेश द्वार पर रेहान पर फायरिंग कर दी।

10 अप्रैल 2026 को ही, संघीय जांच एजेंसी (FIA) के साथ संयुक्त अभियान में, काउंटर-टेररिज्म विभाग (CTD) ने कराची के यूनिवर्सिटी रोड के पास प्रतिबंधित शिया आतंकवादी संगठन Zainabiyoun Brigade से जुड़े एक टारगेट किलर को गिरफ्तार किया। CTD द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, ''अभियान के दौरान, टीम ने टारगेट किलर मुहम्मद फरहान खान, पुत्र मुहम्मद इस्माइल को गिरफ्तार किया और उसके पास से एक 9 MM पिस्तौल के साथ आठ गोलियों से भरी मैगज़ीन बरामद की। इस पिस्तौल का उपयोग 2023 की लक्षित हत्या में किया गया था। वह पहले भी कई सांप्रदायिक और धार्मिक आतंकवादी गतिविधियों में शामिल रहा है।''

South Asia Terrorism Portal द्वारा संकलित विश्वस्त आंकड़ों के अनुसार, वर्तमान वर्ष में (19 अप्रैल 2026 तक के आंकड़ों के अनुसार) सिंध में आतंकवाद से संबंधित 10 मौतें दर्ज की गई हैं, जिनमें आठ आतंकवादी, एक नागरिक और एक सुरक्षा बल का जवान शामिल है। 2025 की इसी अवधि के दौरान, प्रांत में 12 मौतें दर्ज की गई थीं (सात सुरक्षा बल कर्मी, पाँच नागरिक और एक आतंकवादी)। वहीं, पूरे वर्ष 2025 में सिंध में 49 आतंकवाद-संबंधित मौतें दर्ज की गईं (26 नागरिक, 16 सुरक्षा बल कर्मी और सात उग्रवादी) जबकि 2024 में यह संख्या 38 थी (15 नागरिक, 14 सुरक्षाबल कर्मी और नौ उग्रवादी) जो 28.94 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाती है। नागरिकों की मौतें 2024 में 15 से बढ़कर 2025 में 26 हो गईं जो 73.33 प्रतिशत की वृद्धि है। इसी तरह, सुरक्षा बलों की मौतें 2024 में 14 से बढ़कर 2025 में 16 हो गईं। वहीं, आतंकवादियों की मौतें 2024 में नौ से घटकर 2025 में सात हो गई। यह मामला देखने में सहज लगता है लेकिन नागरिक सुरक्षा को लेकर गंभीर चुनौती प्रस्तुत कर रहा है।

2025 का प्रमुख हमला 26 अगस्त को हुआ, जब टीटीपी आतंकवादियों ने कराची में साइट सुपर हाईवे पर फकीरा गोठ क्षेत्र के पास फायरिंग की, जिसमें चार लोग मारे गए और एक घायल हुआ। टीटीपी ने इस हमले की जिम्मेदारी लेते हुए बयान जारी किया।

सिंध में विस्फोट की घटनाओं में भी वृद्धि हुई है। 2025 में ऐसी 14 घटनाएँ हुई, जिनमें 14 मौतें हुई, जबकि 2024 में ऐसी नौ घटनाएँ हुई थीं, जिनमें 10 मौतें हुई थीं। जानकार बताते हैं कि सिंध के 30 जिलों में से प्रांतीय राजधानी कराची आतंकवाद का केंद्र बनता जा रहा है। 2025 में प्रांत में दर्ज 49 मौतों में से केवल कराची में 31 मौतें हुई। शेष 18 मौतें कश्मोर जिला (8), घोटकी जिला (6), नौशहरो फिरोज जिला (2), लरकाना जिला (1) और बदिन जिला (1) में दर्ज की गई। 2024 में प्रांत में दर्ज 38 मौतों में से कराची में 27 मौतें हुई, जबकि शेष 11 मौतें घोटकी (5), कश्मोर (2), शिकारपुर (2), जैकबाबाद (1) और जमशोरो (1) में दर्ज की गईं।

टीटीपी और बलूच अलगाववादी समूहों सहित इस्लामवादी आतंकवादी संगठनों के अलावा, सिंधी अलगाववादी समूह जैसे Sindhudesh Revolutionary Army और Sindhudesh Liberation Army भी क्षेत्र में सक्रिय हैं। जानकारों की मानें तो बलूच अलगाववादी समूहों के साथ समन्वय में, सिंधी संगठनों ने क्षेत्र में पंजाबी वर्चस्व का मुकाबला करने के लिए मिलकर काम करना प्रारंभ कर दिया है। 2 मार्च 2025 की एक मीडिया रिपोर्ट में उल्लेख किया गया कि SRA ने Baloch Raji Aajoi Sangar में शामिल होकर पाकिस्तान की केन्द्रीय सरकार और चीन के खिलाफ अपने अभियानों को तेज कर दिया है। एक बयान में BRAS के प्रवक्ता बलोच खान ने बताया कि BLA, बलूचिस्तान लिबरेशन फ्रंट (BLF), बलूच रिपब्लिकन गार्ड्स (BRG) और SRA के वरिष्ठ प्रतिनिधियों के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक आयोजित की गई थी।

इस गठबंधन का परिणाम 4 मार्च 2025 के हमले में देखा गया, जब SRA कैडरों ने सिंध के सुजावल जिले (पूर्व में ठट्टा जिला) के सुजावल-मीरपुर बठोरो रोड पर नेशनल लॉजिस्टिक्स सेल (NLC) के वाहनों पर घात लगाकर हमला किया गया, जिसमें दो ड्राइवर घायल हो गए। स्थानीय मीडिया के साथ साझा एक बयान में SRA के प्रवक्ता सोधो सिंधी ने दावा किया कि ड्राइवर गंभीर रूप से घायल हुए और वाहनों को नुकसान पहुंचा।

- गौतम चौधरी

‘आरक्षण का राग और उम्मीदों का बाज़ार’

देश में कुछ विषय ऐसे होते हैं, जिन पर चर्चा शुरू होते ही तर्क पीछे और भावनाएँ आगे निकल जाती हैं। आरक्षण भी उन्हीं में से एक है। यह विषय जितना गंभीर है, उतना ही इसे हल्का बनाकर परोसा भी जाता है—कभी राजनीति की थाली में, तो कभी समाज की चाय की दुकान पर। और इस पूरे खेल में जो सबसे दिलचस्प बात है, वह यह कि करोड़ों लोगों को एक ऐसे सपने में उलझाए रखा जाता है, जिसकी जमीन बहुत छोटी है और आसमान बहुत बड़ा दिखाया जाता है। जरा सोचिए—देश की आबादी करोड़ों में, बेरोजगारों की संख्या लाखों-करोड़ों में, और सरकारी नौकरियाँ? वे तो वैसे ही कम हैं, जैसे गर्मी में लखनऊ की सड़कों पर छाँव। ऊपर से उन नौकरियों में भी आरक्षित पदों की संख्या सीमित। अब सवाल उठता है कि जब कुल नौकरियाँ ही सीमित हैं तो उनमें से कुछ प्रतिशत आरक्षित होने से करोड़ों लोगों की ज़िंदगी कैसे बदल जाएगी लेकिन यह सवाल पूछना आसान नहीं है, क्योंकि इसके जवाब में अक्सर तर्क नहीं, नाराजगी मिलती है। आरक्षण का सिद्धांत मूल रूप से सामाजिक न्याय के लिए बना था—यह मानते हुए कि समाज के कुछ वर्ग ऐतिहासिक रूप से पिछड़े रहे हैं और उन्हें आगे लाने के लिए विशेष अवसर दिए जाने चाहिए। यह सोच अपने आप में गलत नहीं है लेकिन समस्या तब शुरू होती है, जब इस सिद्धांत को जमीन पर लागू करने के बजाय उसे एक स्थायी राजनीतिक हथियार बना दिया जाता है। आज स्थिति यह है कि हर चुनाव से पहले आरक्षण की नई-नई घोषणाएँ होती हैं। कभी किसी नई जाति को शामिल करने की मांग उठती है तो कभी प्रतिशत बढ़ाने की बात होती है। ऐसा लगता है जैसे आरक्षण कोई जादुई चाबी हो, जिसे घुमाते ही हर समस्या का ताला खुल जाएगा लेकिन हकीकत यह है कि यह चाबी कई बार ताले में फिट ही नहीं बैठती।

- डॉ. शैलेश शुक्ला

अगर एक एजेंसी किसी...

डॉ घनश्याम बादल

एग्जिट पोल: अनुमान का अहंकार, जनादेश का अपमान

बंगाल असम पुडुचेरी तमिलनाडु एवं केरल पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव संपन्न हो चुके हैं। मतदान की धूल अभी बैठी भी नहीं है और टीवी स्टूडियो की रोशनी तेज हो गई है, ग्राफिक्स चमकने लगे हैं और तथाकथित "एग्जिट पोल" देश के सामने भविष्यवाणी का परोसा हुआ थाल लेकर हाज़िर हैं।

दावा यह कि जनता ने क्या फैसला किया है, वे बता देंगे, वह भी आधिकारिक मतगणना से पहले लेकिन हर चुनाव के बाद वही पुराना सवाल सिर उठाता है कि ये एग्जिट पोल वास्तव में सार्थक हैं, या फिर यह महज़ एक व्यवस्थित भ्रम है, जो लोकतंत्र के धैर्य और गंभीरता के साथ खिलवाड़ करता है?

एग्जिट पोल की मूल अवधारणा सरल है- मतदान केंद्र से बाहर निकलते हुए मतदाताओं से पूछना कि उन्होंने किसे वोट दिया। इस "सैंपल" के आधार पर पूरे राज्य या देश का अनुमान तैयार किया जाता है। सुनने में यह वैज्ञानिक लगता है पर ज़मीन पर इसकी विश्वसनीयता अक्सर संदिग्ध साबित होती है। हालिया पांच राज्यों के चुनावों में भी अलग-अलग एजेंसियों के एग्जिट पोल एक-दूसरे से इतने भिन्न हैं कि आम दर्शक के लिए यह तय करना मुश्किल है कि किसे सच माना जाए और किसे कल्पना।

सवाल उठता है कि जब एक ही चुनाव के लिए अलग-अलग

एग्जिट पोल अलग तस्वीर पेश करते हैं तो इनकी उपयोगिता क्या है? और उनकी ज़रूरत भी क्या है?

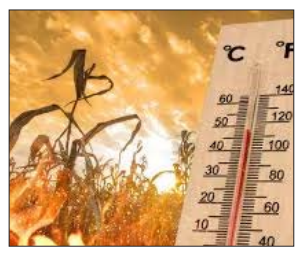

अगर एक एजेंसी किसी दल को स्पष्ट बहुमत देती है और दूसरी उसे सत्ता से बाहर दिखाती है तो यह केवल "डेटा का अंतर" नहीं बल्कि पद्धति की खामी, नमूने की सीमाएं और कभी-कभी पूर्वाग्रहों का संकेत है। सच तो यह है कि एग्जिट पोल का विज्ञान अक्सर अपने ही दावों के बोझ तले दब जाता है। एग्जिट पोल की सबसे बड़ी कमजोरी उसका सैंपल है। भारत जैसा विविधताओं से भरा देश, जहां भाषा, जाति, धर्म, क्षेत्रीयता और स्थानीय मुद्दे मतदान के व्यवहार को प्रभावित करते हैं, वहां कुछ हज़ार लोगों से पूछकर करोड़ों मतदाताओं का रुझान तय कर देना बौद्धिक अतिसरलीकरण है। ऊपर से, हर मतदाता सच बोल ही दे, यह मान लेना भी एक तरह की भोली उम्मीद है। कई लोग झिझकते हैं, कुछ जानबूझकर गलत बताते हैं, और कुछ तो बातचीत से ही बचते हैं। ऐसे में जो डेटा मिलता है, वह आधा-अधूरा और कई बार भ्रामक होता है। अब आती है "नैरेटिव" की राजनीति। एग्जिट पोल केवल आंकड़े नहीं होते, वे माहौल बनाते हैं। अगर किसी दल को भारी बहुमत दिखा दिया जाए तो वह जीत की छवि गढ़ता है; अगर किसी को हारता हुआ बताया जाए, तो उसके समर्थकों में निराशा फैलती है। यह मनोवैज्ञानिक खेल है, जिसका असर बाजार से लेकर राजनीतिक रणनीति तक पर पड़ता है। शेयर बाजार की हलचल, गठबंधन की बातचीत, यहां तक कि कार्यकर्ताओं का मनोबल,सब कुछ इन अनुमानों से प्रभावित होता है। यानी, एग्जिट पोल केवल "सूचना" नहीं देते, वे एक खास किस्म का और खास वर्ग या दल के लिए कूट रचित "प्रभाव" भी पैदा करते हैं। यहीं पर एग्जिट पोल की नैतिकता पर सवाल खड़े होते हैं। क्या लोकतंत्र में जनादेश आने से पहले ही उसकी दिशा तय करने का यह प्रयास उचित है? क्या यह मतदाताओं के फैसले के प्रति अधीरता नहीं है? चुनाव एक गंभीर प्रक्रिया है, जिसमें जनता अपनी संप्रभुता का प्रयोग करती है। उस फैसले को आधिकारिक रूप से सामने आने देने के बजाय, अगर हम अनुमान के आधार पर ही निष्कर्ष गढ़ने लगें, तो यह प्रक्रिया की गरिमा को कम करता है। अब सवाल यह भी है कि एग्जिट पोल होते क्यों हैं? मीडिया के लिए यह टीआरपी का बड़ा साधन है। चुनाव जैसे बड़े इवेंट के बाद दर्शकों की उत्सुकता चरम पर होती है, और एग्जिट पोल उस उत्सुकता को तुरंत संतुष्ट करने का दावा करते हैं। राजनीतिक दलों के लिए भी यह एक तरह का "टेस्ट रन" होता है—वे अपने कार्यकर्ताओं को संदेश देने, संभावित रणनीतियों पर विचार करने और सार्वजनिक धारणा को प्रभावित करने के लिए इनका इस्तेमाल करते हैं। यानी, एग्जिट पोल एक उद्योग बन चुके हैं,जहां आंकड़े भी बिकते हैं और उम्मीदें भी।

जन जीवन ...

विवेक रंजन श्रीवास्तव

तपता भारत और जलवायु परिवर्तन की भीषण पदचाप

भारत इस समय जिस प्रचंड ग्रीष्म लहर और असामान्य ताप वृद्धि के दौर से गुजर रहा है, वह अब केवल मौसमी उतार-चढ़ाव का साधारण विषय नहीं रह गया है। यह हमारे पारिस्थितिक तंत्र में आ रहे उस गहरे असंतुलन की गवाही है जिसे वैज्ञानिक जगत में 'जलवायु आपातकाल' पुकारा जा रहा है। हालिया शोध और भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के तुलनात्मक आंकड़े डराने वाले हैं। वर्ष 2026 की यह गर्मी महज एक असामान्य परिवर्तन है, देश के कई हिस्सों में पारा सामान्य से साढ़े चार डिग्री से लेकर छह डिग्री सेल्सियस तक अधिक दर्ज किया गया है। यह वृद्धि उस तबाही का स्पष्ट संकेत है जो हमारे जीवन, जीविका और जल संसाधनों को अपनी चपेट में ले रही है।

स्कूलों की छुट्टी, सामान्य जन जीवन प्रभावित होना तय है। बढ़ती आग की घटनाएं , व्यापार पर असर , डिहाइड्रेशन , बीमारी आदि त्वरित प्रभाव हैं, पर दीर्घ कालिक असर भी समझना चाहिए।

तथ्यों के आईने में देखें तो भारत में बढ़ते तापमान का एक बड़ा कारण 'अल नीनो' के साथ-साथ वातावरण में ग्रीनहाउस गैसों की बढ़ती सांद्रता है। वैश्विक स्तर पर कार्बन उत्सर्जन के चलते वातावरण में कार्बन डाइऑक्साइड का स्तर अब उस खतरनाक बिंदु को पार कर चुका है, जो पिछले आठ लाख वर्षों में कभी नहीं देखा गया। यदि ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में बात करें, तो पिछले 120 वर्षों में भारत के औसत तापमान में लगभग पौन डिग्री सेल्सियस (0.7 डिग्री) की बढ़ोत्तरी हुई है। पहली नजर में यह आंकड़ा छोटा लग सकता है, लेकिन पृथ्वी के संतुलन के लिए

तापमान में एक डिग्री का दसवां हिस्सा बढ़ना भी प्रलयकारी होता है। चिंताजनक बात यह है कि इस वृद्धि की गति पिछले तीन दशकों में पहले के मुकाबले कहीं अधिक तीव्र हुई है। शहरी क्षेत्रों में स्थिति और भी भयावह है, जिसे वैज्ञानिक 'हीट आइलैंड इफेक्ट' कहते हैं। हमारे शहरों में बढ़ते कंक्रीट के जंगल और डामर की सड़कें दिन भर सूर्य की ऊष्मा को सोखती हैं और रातों को उसे वापस वायुमंडल में छोड़ती हैं। इसका परिणाम यह होता है कि रातें भी ठंडी नहीं हो पा रही हैं, जिससे मानव शरीर को दिन भर की गर्मी से उबरने का प्राकृतिक अवसर ही नहीं मिल रहा। यह शहरी ढांचा गर्मी को कैद करने वाला एक ऐसा पिंजरा बन गया है जहाँ से बाहर निकलने का कोई रास्ता नजर नहीं आता।

इस तापीय विभीषिका का सीधा प्रहार हमारी कृषि और खाद्य सुरक्षा पर पड़ रहा है। शोध बताते हैं कि तापमान में होने वाली हर एक डिग्री सेल्सियस की औसत वृद्धि गेहूँ की पैदावार को चार से पांच प्रतिशत तक घटा सकती है। भारत जैसे कृषि प्रधान देश के लिए यह केवल आर्थिक नुकसान नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों की थाली पर संकट है।

जरा हटके

बस्तर के उदाहरण...

अमरपाल सिंह वर्मा

पारंपरिक चिकित्सा सहेजनी होगी यह विरासत

छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र में पारंपरिक चिकित्सा ज्ञान के आधार पर अनपढ़ वैद्यों द्वारा साध्य-असाध्य रोगों के उपचार से जुड़ी मीडिया रिपोर्ट ध्यान आकर्षित करती है। वहां नारायणपुर के पास एक वैद्य बांस की छड़ी के सहारे रोग की पहचान करता है, जड़ी-बूटियों से दवा तैयार करता है और ऐसे मरीजों को भी राहत देता है जिनके लिए आधुनिक चिकित्सा लगभग हाथ खड़े कर चुकी होती है। पहली नजर में यह कथा अविश्वसनीय लग सकती है लेकिन जब इस तरह के उदाहरण बार-बार सामने आते हैं तो यह केवल हैरानी का विषय नहीं रह जाता बल्कि उम्मीद जगाने के साथ-साथ इस दिशा में गंभीरता से सोचने की आवश्यकता भी प्रतिपादित करता है। हम भले ही छत्तीसगढ़ के एक इलाके की बात कर रहे हों लेकिन यह मुद्दा किसी एक वैद्य या किसी एक पद्धति तक सीमित नहीं है। यह उस पूरे ज्ञान तंत्र का प्रश्न है जिसे हमने आधुनिकता की अंधी दौड़ में हाशिए पर डाल दिया है। देश के जंगलों, गांवों और आदिवासी इलाकों में सदियों से विकसित हुआ पारंपरिक चिकित्सा ज्ञान आज भी जीवित है लेकिन उसकी मौजूदगी को हम या तो नजरअंदाज करते हैं या फिर उसे अंधविश्वास कहकर खारिज कर देते हैं। यह प्रवृत्ति उस औपनिवेशिक प्रभावों से बनी मानसिकता की देन है जिसके वशीभूत होकर हम अपने ही ज्ञान को कमतर आंकते चले आ रहे हं◌ै। इसमें कोई दो राय नहीं है कि आधुनिक चिकित्सा विज्ञान ने मानव जीवन को अभूतपूर्व सुविधाएं और सुरक्षा प्रदान की हैं लेकिन यह भी सच है कि हर ज्ञान

प्रणाली की अपनी सीमाएं होती हैं। हमारे सामने ऐसे अनेक उदाहरण आते हैं जब डॉक्टर किसी मरीज को जीवन के अंतिम पड़ाव पर मानकर परिजनों को उसकी ‘सेवा’ करने की सलाह देते हैं लेकिन वही मरीज पारंपरिक उपचार के सहारे अपेक्षा से अधिक समय तक जीवन जी लेता है। ऐसे मामलों को संयोग कहकर टाल देना आसान है लेकिन इसे वैज्ञानिक दृष्टि नहीं कहा जा सकता। वैज्ञानिक दृष्टिकोण का अर्थ किसी संभावना को नकारना नहीं होता बल्कि उसे जांचने, समझने और परखने की प्रक्रिया से गुजरना होता है।

बस्तर के जंगलों में काम कर रहीं एक शोधकर्ता देवयानी शर्मा का प्रयास इस दिशा में एक महत्वपूर्ण उदाहरण है। उन्होंने ऐसे सैकड़ों वैद्यों को चिन्हित किया है जो बिना औपचारिक शिक्षा के भी चिकित्सा की गहरी समझ रखते हैं। यह केवल दावों तक सीमित नहीं है। वहां के ट्रांस डिसिप्लिनरी हेल्थ साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी विश्वविद्यालय और आयुष विभाग ने उनके इलाज के तरीकों को सटीक मानते हुए प्रमाणित भी किया है। यह इस बात का संकेत है कि पारंपरिक ज्ञान को पूरी तरह खारिज करना न तो न्यायसंगत है और न ही विवेकपूर्ण। जिस पारंपरिक चिकित्सा को हम आज नजरअंदाज करते दिखाई देते हैं, वह केवल रोग के उपचार तक सीमित नहीं है बल्कि मरीज के साथ एक मानवीय संबंध भी स्थापित करती है। आधुनिक अस्पतालों में जहां इलाज एक तकनीकी प्रक्रिया बनकर रह जाता है वहीं गांवों के ये वैद्य मरीज को एक संपूर्ण व्यक्ति के रूप में देखते हैं। यह संवेदनात्मक आयाम आधुनिक चिकित्सा में अक्सर कम दिखाई देता है।

बस्तर के उदाहरण के आधार पर हर पारंपरिक उपचार को चमत्कारी मान लेना भी उचित नहीं होगा। ऐसा करना उतनी ही बड़ी भूल होगी, जितना पारंपरिक उपचार को पूरी तरह अवैज्ञानिक मान लेना है। आवश्यकता इस बात की है कि अनुभव-जन्य ज्ञान और आधुनिक विज्ञान के बीच संवाद स्थापित किया जाए।

ज्ञान प्राप्ति

यह करो, वह करो, सत्य बोलने से मत डरो। ऐसे रहो, वैसे रहो, > पूजा करो, पाठ करो आदि-आदि दुनियाभर की सकारात्मक बातें सीखना तो निश्चित ही सुज्ञान है। पर एक बात पर अवश्य ध्यान दें कि केवल सब कुछ सकारात्मक सीखना ही पूर्ण ज्ञान नहीं है । हमको जीवन में बहुत सी बातों पर ध्यान नहीं देना चाहिए । उन्हें पढ़कर कर देना या सुनकर इस कान से निकाल देना उस कान से भी बहुत महत्वपूर्ण ज्ञान है । क्योंकि जीवन में बहुत सी बातें हैं, जिनका कोई संज्ञान लेना दरकार ही नहीं हैं । उनको नजरअंदाज कर देना उचित है । विभिन्न धर्मग्रन्थों में बहुत महान संपदाएं हैं । हमको ज्ञान कहीं से भी मिले हमें उसको विनम्रता से स्वीकार करना चाहिए । सच्ची बात, अच्छी बात आदि किसी भी ग्रन्थ से मिले, गुरु से मिले, किसी पन्थ से मिले , किसी सन्त से मिले आदि - आदि हमें उसको सादर स्वीकार करना चाहिए । वह उस पर ध्यान दिया जाना चाहिए, मनन किया जाना चाहिए । ज्ञान के बारे में एक बात पर ध्यान देना जरुरी है कि ज्ञान अनंत है । ऐसा सम्भवतः कोई भी नहीं होगा जो कह सके उसने पूरा ज्ञान सीख लिया है । जन्म से जीवन पर्यन्त हम विभिन्न रूप में विभिन्न स्रोतों से ज्ञान प्राप्त करते ही रहते हैं । मां तात गुरुजन समाज परिवार स्वजन पार्श्व वातावरण आदि - आदि अकस्मात आई आपदा-विपदामय परिस्थितियों के अवतरण आदि-आदि हर बात से हमें जीवन में नाना अनुभव क्षण-क्षण मिलते ही रहते हैं । हमारे ज्ञान में वृद्धि कण-कण में वे भी तो करते ही करते हैं । ज्ञान प्राप्ति अनुभव बटोरने की कला, है चाहे किसी भी स्रोत से भला आता हो । हर ज्ञान हमारी रिक्तता का कोना भरता है । चाहे स्रोत अनंदित करने वाला हो और चाहे कभी-कभी रोना आ जाता हो। अतः वही मतिमान हैं जो अच्छी-बुरी हर परिस्थिति से ज्ञान बटोरता रहता है । मैं ऐसे मनुज को आदर सहित प्रणाम करता हूं । स्वाध्याय सार्थक जीवन-पुस्तिका का मुख्य अध्याय है ।

> प्रदीप छाजेड़

महिला से छेड़खानी करने वाले का एनकाउंटर

मुठभेड़

मुरादाबाद पुलिस ने पैर में मारी गोली, उम्र-45 साल, लेडीज टेलर है आरोपी

- एसपी ने बताया- पुलिस ने छेड़छाड़ की शिकार महिला को भी ट्रेस कर लिया है। उसकी तहरीर पर आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली गई है।

तमसा संकेत, एजेंसी

मुरादाबाद। मुरादाबाद में बुर्का पहने महिला से सुनसान गली में छेड़खानी करने वाले 45 साल के आरोपी नौशाद का पुलिस ने एनकाउंटर कर दिया। उसके बाएं पैर में गोली लगी है। गुरुवार रात 11 बजे पुलिस ने उसे घेरा तो उसने फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में उसके बाएं पैर में गोली लग गई।

फिलहाल, उसका जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है।

महिला को अकेला देखकर आरोपी उसका पीछा करता है। कुछ देर तक पीछे-पीछे चलता रहता है।

मुठभेड़ शहर की जामा मस्जिद के पास हुई। आरोपी लेडीज टेलर है। उसकी शादी नहीं हुई है। नौशाद ने 29 अप्रैल यानी दो दिन पहले महिला से छेड़खानी की थी। विरोध करने पर वह महिला को छोड़कर भाग गया था।

गुरुवार को घटना का CCTV सामने आने के बाद पुलिस ने उसकी पहचान की। पांच टीमें उसकी तलाश में लगी थीं। पुलिस जांच में सामने आया है कि वह पहले भी कई महिलाओं के साथ अभद्रता कर चुका है। हालांकि, इससे पहले किसी महिला ने उसके खिलाफ शिकायत दर्ज नहीं कराई थी। पीड़िता के मुताबिक, वह बुधवार दोपहर अपने काम से जा रही थी, तभी एक व्यक्ति उसके साथ छेड़छाड़ करने लगा। मेरे चिल्लाने पर भाग गया था। वहीं, CCTV में दिख रहा कि महिला बुर्का पहनकर हाथ में बैग लिए गली से गुजर रही है। तभी नौशाद उसके पीछे-पीछे आता है। कुछ देर तक चुपचाप चलता रहता है। अचानक वह महिला के पास पहुंचकर उसे पकड़ लेता है और अश्लील हरकत करता है।

एसपी बोले- छिपने की फिराक में था, घेरा तो फायरिंग की

SP सिटी रण विजय सिंह ने बताया कि बुधवार को मुगलपुरा थाना क्षेत्र में नौशाद ने सरेआम एक महिला के साथ अश्लील हरकत की थी। उसकी करतूत CCTV में कैद हो गई थी, जिसके जरिए उसकी पहचान की गई। वह कटघर मोहल्ले का रहने वाला है।नौशाद को पकड़ने के लिए पुलिस की पांच टीमें लगी हुई थीं। उन्होंने बताया- गुरुवार रात 10 बजे पुलिस को सूचना मिली कि नौशाद मुगलपुरा थाना क्षेत्र में रामगंगा नदी के किनारे जामा मस्जिद के पास मौजूद है। वह छिपने की फिराक में है। सूचना मिलते ही पुलिस टीमों ने पूरे इलाके को घेर लिया। पुलिस ने नौशाद से सरेंडर करने को कहा, लेकिन उसने पुलिस पर गोली चला दी। जवाबी फायरिंग में वह जख्मी होकर गिर पड़ा। इसके बाद पुलिस ने उसे दबोच लिया। उसके पास से एक तमंचा और तीन कारतूस बरामद हुए हैं।

मुठभेड़ में गोली लगने के बाद आरोपी को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

गौ आश्रय व स्पोर्ट्स स्टेडियम का डीएम ने किया औचक निरीक्षण

तमसा संकेत, संवाददाता

बाराबंकी। जनपद में संचालित विकास परियोजनाओं की गुणवत्ता एवं प्रगति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिलाधिकारी द्वारा लगातार औचक निरीक्षण किए जा रहे हैं। इसी क्रम में आज विभिन्न महत्वपूर्ण स्थलों का निरीक्षण कर उन्होंने व्यवस्थाओं का गहन जायजा लिया, संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए तथा जनहित से जुड़ी योजनाओं को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण कराने के निर्देश दिए। निरीक्षण के क्रम में सर्वप्रथम तहसील रामसनेही घाट अंतर्गत कंधईपुर स्थित गौ आश्रय स्थल पहुँचकर गौवंशों हेतु उपलब्ध भूसा, हरा चारा एवं साइलेज की व्यवस्था का जायजा लिया गया। जिलाधिकारी ने सभी व्यवस्थाएं समुचित एवं सतत उपलब्ध रखने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने गौवंशों को गुड़ व चना खिलाकर संरक्षण के प्रति संवेदनशीलता का संदेश भी दिया। अगले चरण में जिलाधिकारी सनौली स्थित निर्माणाधीन बृहद गौ संरक्षण केंद्र का निरीक्षण कर कार्यों की प्रगति जानी गई। उन्होंने हैंडओवर प्रक्रिया तत्काल प्रारंभ कर 15 दिनों के भीतर पूर्ण करने तथा केंद्र का संचालन सुचारु रूप से प्रारंभ कराने के निर्देश दिए। साथ ही परिसर में वृक्षारोपण, प्रकाश व्यवस्था एवं अन्य आवश्यक सुविधाएं समयबद्ध पूर्ण करने को कहा। शहर स्थित स्पोर्ट्स स्टेडियम में चल रहे निर्माण कार्यों का जिलाधिकारी ने औचक निरीक्षण कर प्रगति का विस्तृत जायजा लिया। उन्होंने कार्यदायी संस्था राजकीय निर्माण निगम के पी0एम0 को निर्देशित किया कि मैदान से संबंधित कार्य इस माह प्रत्येक दशा में पूर्ण कर आम नागरिकों एवं खिलाड़ियों के लिए शीघ्र खोल दिया जाए, जिससे उन्हें हो रही असुविधा समाप्त हो सके।

'भारतीय भाषाओं में ज्ञान परंपरा' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ

तमसा संकेत, संवाददाता

बरेली। भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, दिल्ली एवं बरेली कॉलेज, बरेली के हिंदी विभाग के संयुक्त तत्वावधान में "भारतीय भाषाओं में ज्ञान परंपरा" विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ। इस अवसर पर पर्यावरण विज्ञान विभाग की ओर से डॉ. जसपाल सिंह, डॉ. अनामिका अग्रवाल एवं डॉ. गौरव भूषण द्वारा मुख्य अतिथि को एक पौधा भेंट किया गया तथा उसी पौधे का रोपण मुख्य अतिथि द्वारा किया गया, जो पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने वाला रहा। उद्घाटन सत्र में उत्तराखंड ओपन यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. नवीन चंद्र लोहनी मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। बरेली कॉलेज के प्राचार्य प्रो. ओमप्रकाश राय, हिंदी विभाग की अध्यक्ष प्रो. परमजीत कौर एवं प्रो. सुषमा गोंदियाल मंचासीन रहे। कार्यक्रम का संचालन प्रो. मनुप्रताप द्वारा किया गया।

प्रो. नवीन चंद्र लोहनी ने अपने उद्बोधन में भारतीय भाषाओं की ज्ञान परंपरा को वैश्विक संदर्भ में अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि मातृभाषा के माध्यम से ही वास्तविक ज्ञान का प्रसार संभव है। उन्होंने नई शिक्षा नीति के परिप्रेक्ष्य में भारतीय भाषाओं के महत्व को रेखांकित किया।

प्रथम तकनीकी सत्र में प्रो. ए.सी. त्रिपाठी मुख्य वक्ता रहे। उनके साथ प्रो. प्रणव शर्मा (पीलीभीत), प्रो. विकास प्रधान (राजकीय महाविद्यालय, बीसलपुर, पीलीभीत), प्रो. हरीश कुमार शर्मा (सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, सिद्धार्थनगर) एवं डॉ. दिवाकर (पीलीभीत) ने अपने विचार प्रस्तुत किए।

पति 1 घंटे पहले ही घर से गया था, लौटा तो लाश देख फूट-फूटकर रोया

महिला की गर्दन काटकर हत्या

- एसपी सिटी विनायक गोपाल मोसले ने कहा-शुक्रवार सुबह लिसाड़ी गेट के पास महिला के हत्या की सूचना मिली थी। अभी परिवार वालों से बातचीत कर रहे हैं। फोरेंसिक टीम ने साक्ष्य जुटाए हैं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। घर में कोई फोर्स एंट्री नहीं मिली है।

तमसा संकेत, एजेंसी

मेरठ। मेरठ में शुक्रवार सुबह 26 साल की महिला की गर्दन काटकर हत्या कर दी गई। लाश कमरे में बेड के पास फर्श पर पड़ी थी। घटना के समय महिला का पति ई-रिक्शा लेकर मंडी गया हुआ था, वह वारदात से करीब एक घंटे पहले घर से निकला था। सुबह करीब 8 बजे मामले का खुलासा हुआ, जब दंपति की तीनों बेटियां मकान मालिक के पास पहुंचीं और अपने पिता से बात कराने की बात कही। मकान मालिक ने फोन मिलाकर दिया। इसके बाद बच्चियां फोन लेकर दूसरी मंजिल पर चली गईं और बात करते-करते रोने लगीं। उनकी आवाज सुनकर मकान मालिक की पत्नी ऊपर पहुंचीं, जहां उन्होंने महिला का शव देखा।

कुछ देर बाद पति साकिब (30) भी मौके पर पहुंचा। पत्नी कौसर का शव देखकर वह फूट-फूटकर रोने लगा। फिलहाल पुलिस और फोरेंसिक टीम ने मौके से सबूत जुटाए हैं। पुलिस का कहना है कि जल्द से जल्द घटना का खुलासा किया जाएगा। घटना लिसाड़ी गेट थाना क्षेत्र की है। लिसाड़ी थाना क्षेत्र के मजीद नगर गली नंबर-3 में इसरार उर्फ सोनू रहते हैं। उन्होंने दैनिक भास्कर को बताया- वे टावर का काम करते हैं। वे अपनी पत्नी फराह और तीन बच्चों के साथ रहते हैं। उनके मकान की दूसरी मंजिल पर साकिब किराए पर रहता है। उसकी पत्नी कौसर गाजियाबाद के लोनी की रहने वाली थी। दोनों की शादी को 7 साल हो चुके थे। उनकी तीन बेटियां हैं- सानिया (6), कुलसुमिनार (4) और इनाया (डेढ़ साल)।

10 भाई-बहनों में सबसे छोटी थी कौसर

मुर्सलीन ने बताया- हम लोग मूल रूप से जानी मेरठ के रहने वाले हैं। कुछ दिन के लिए हमारा परिवार लोनी शिफ्ट हो गया था। लेकिन अब दोबारा हम जानी में ही रहते हैं। हम 5 बहनें, 5 भाई हैं। मैं सबसे बड़ा भाई हूं। कौसर हमारी सबसे छोटी 10वें नंबर की बहन थी।

भाई बोला- बहनोई ने ही मेरी बहन की हत्या की है

हत्या की सूचना पर कौसर का बड़ा भाई और मां मौके पर पहुंचे। भाई मुर्सलीन ने कहा- मेरी बहन कौसर की हत्या बहनोई साकिब ने ही की है। क्योंकि 15 दिन पहले साकिब ने सुबह-सुबह मुझे फोन किया और बोला- कौसर छत से गिर गई है। उसे काफी चोट लगी है तुरंत मेडिकल अस्पताल आ जाओ। भाई ने कहा- मैंने घबराकर पूछा कैसे गिर गई, हम आ रहे हैं तो उसने कहा- मैं मजाक रहा हूं। आज भी साकिब ने फोन किया कि कौसर गुजर गई है तो पहले हमें मजाक ही लगा, बाद में सच्चाई का पता चला कि बहन की हत्या हो गई है। हमें बहनोई पर ही शक है।

यूपी के 8 जिलों में बारिश, हजारों बोरी गेहूं भीगा

दूल्हे की कार फंसी, 36 घंटे में 17 मौतें

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ/ आगरा/ कानपुर/ वाराणसी। यूपी में तीन दिनों से मौसम बिगड़ा हुआ है। आज शुक्रवार सुबह से गोरखपुर, बलिया, देवरिया समेत 8 जिलों में बारिश हो रही है। पूर्वांचल के ज्यादातर जिलों में बादल छाए हैं। तेज हवाएं चल रही हैं। मौसम विभाग ने आज 62 जिलों में आंधी, बिजली गिरने की संभावना जताई है।

देर रात लखनऊ, सीतापुर, फर्रुखाबाद, पीलीभीत, गोंडा में आंधी के साथ तेज बारिश हुई। हमीरपुर में 65 साल के किसान की मौत हो गई। परिवार वालों के मुताबिक, बारिश में 200 क्विंटल गेहूं खेत में भीग गया। बारिश के बाद वह खेत पहुंचे। गेहूं देखकर उनके सीने में तेज दर्द हुआ। जिला अस्पताल में इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

फतेहपुर में सरकारी खरीद केंद्र पर बारिश से 700 क्विंटल गेहूं भीग गया। पीलीभीत में बारिश के बाद हुए कीचड़ में दूल्हे की कार फंस गई। करीब दो घंटे बाद ट्रैक्टर से खींचकर कार को निकाला गया। मैनपुरी में 100 से ज्यादा पेड़ और बिजली के खंभे उखड़ गए। सैकड़ों गांवों में बिजली सप्लाई बाधित हो गई। आंधी-बारिश से जुड़ी घटनाओं में 36 घंटे में 17 लोगों की मौत हो गई।प्रदेश में औसतन 2.6 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई। इससे लोगों को हीटवेव से राहत मिली।

आगामी विधानसभा चुनाव की संभावित रणनीति जैसे मुद्दों पर गंभीर चर्चा

मंत्री से मुलाकात के बाद बढ़ी सियासी गर्मी

रामनगर सीट पर टिकट को लेकर नए संकेत

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। रामनगर विधानसभा क्षेत्र में आगामी चुनाव को लेकर राजनीतिक हलचल अब और तेज होती नजर आ रही है। भाजपा के संभावित दावेदारों की सूची में शामिल माने जा रहे क्षेत्र के सक्रिय नेता शिव प्रकाश अवस्थी उर्फ राहुल की हाल ही में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से हुई मुलाकात ने स्थानीय सियासत में नई चर्चा छेड़ दी है। इस मुलाकात को सिर्फ शिष्टाचार भेंट नहीं, बल्कि राजनीतिक दृष्टि से एक अहम संकेत के तौर पर देखा जा रहा है। सूत्रों के अनुसार, नई दिल्ली स्थित रक्षा मंत्री के आवास पर हुई इस मुलाकात के दौरान क्षेत्रीय राजनीतिक हालात, संगठन की मजबूती, कार्यकर्ताओं की भूमिका और आगामी विधानसभा चुनाव की संभावित रणनीति जैसे मुद्दों पर गंभीर चर्चा हुई। शिव प्रकाश अवस्थी द्वारा राधा-कृष्ण का प्रतीक चिन्ह भेंट कर आशीर्वाद लेना भी इस मुलाकात को सांकेतिक रूप से खास बना गया।

क्षेत्र में इस मुलाकात को लेकर अलग-अलग तरह की चर्चाएं चल रही हैं। समर्थक इसे अवस्थी की बढ़ती पकड़ और संभावित टिकट का संकेत मान रहे हैं, जबकि विरोधी इसे सामान्य राजनीतिक प्रक्रिया का हिस्सा बता रहे हैं। हालांकि यह तय है कि इस मुलाकात ने क्षेत्रीय राजनीति में हलचल जरूर बढ़ा दी है।

संगठनात्मक सक्रियता बन रही ताकत

शिव प्रकाश अवस्थी पिछले लंबे समय से रामनगर क्षेत्र में संगठनात्मक और सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। लगातार जनसंपर्क, स्थानीय मुद्दों पर हस्तक्षेप और कार्यकर्ताओं के साथ तालमेल ने उन्हें एक मजबूत दावेदार के रूप में स्थापित किया है। यही वजह है कि उनकी दिल्ली में हुई इस उच्चस्तरीय मुलाकात को उनकी राजनीतिक सक्रियता का विस्तार माना जा रहा है।

टिकट की दौड़ में बढ़ी प्रतिस्पर्धा

रामनगर सीट पर भाजपा के भीतर पहले से ही कई दावेदार सक्रिय हैं। ऐसे में इस मुलाकात ने टिकट की दौड़ को और रोचक बना दिया है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि केंद्रीय नेतृत्व से सीधा संपर्क और संवाद किसी भी दावेदार के लिए निर्णायक भूमिका निभा सकता है।

हरियाणा में धर्मगुरु ने विधवा से 10 लाख और जेवर हड़पे

तमसा संकेत, एजेंसी

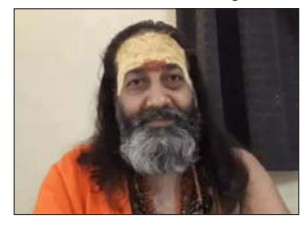

- फ्लैट पर गहने उतरवाए बेटे को सरकारी नौकरी का लेटर थमाया, आधार कार्ड से खुली पोल

अंबाला। हरियाणा के अंबाला में यूपी के एक धर्मगुरु ने विधवा से 10.5 लाख रुपए और गोल्ड ज्वेलरी हड़प ली। महिला का आरोप है कि धर्मगुरु महामंडलेश्वर योगी आनंद गिरी महाराज ने केंद्र सरकार में नौकरी दिलवाने का झांसा दिया।

आरोपियों ने बेटे को एक फर्जी जॉइनिंग लेटर भी थमा दिया, जॉइनिंग के लिए कई बार दिल्ली भी बुलाया। नौकरी न लगने पर धर्मगुरु और उसका सहयोगी फरार हो गए।

धर्मगुरु आनंद गिरी खुद को मानवाधिकार सुरक्षा संघ का संस्थापक बताता था। इसके बाद उसने पीड़ित को हरियाणा में संघ की महिला विंग की अध्यक्ष भी बना दिया, जिससे उसका विश्वास जीत सके। अंबाला के कालाअंब निवासी सुनीता के अनुसार, 21 दिसंबर 2025 में कालाअंब में एक रक्तदान शिविर लगा था। इसमें आनंद गिरी और उसका सहयोगी मनीष मिश्रा मुख्य अतिथि थे। शिविर में आने के लिए दोनों 20 दिसंबर को महिला के घर ही रुके थे। आनंद गिरी ने सुनीता से कहा था कि उसका एक शिष्य दिल्ली में बड़ी सरकारी पोस्ट पर है। सुनीता के मुताबिक, आनंद गिरी ने कहा कि वह उनके छोटे बेटे ऋषभ बंसल को मिनिस्ट्री ऑफ पर्सनल, पब्लिक ग्रॉवांस और पेंशन्स में ASO (असिसटेंट सेक्शन ऑफिसर) के पद पर बिना परीक्षा के सीधे लगवा सकता है।

घटना : कमरा बंद कर फायर किया, महिला की हालत गंभीर, पीहर जाने से नाराज था

पत्नी को गोली मारकर पति ने की खुदखुशी

तमसा संकेत, एजेंसी

भरतपुर। शादी समारोह में पति ने पत्नी को गोली मार दी। फिर खुद को गोली मारकर सुसाइड कर लिया। मामला भरतपुर जिले के रूपवास थाना क्षेत्र के सिंघावली गांव का शुक्रवार दोपहर करीब 12:15 बजे का है। वह मना करने के बावजूद पत्नी के पीहर जाने से नाराज था।

थानाधिकारी विनोद मीणा ने बताया- यूपी में आगरा के बरुअर निवासी राघवेंद्र (31) की मौके पर ही मौत हो गई। पत्नी राधिका (28) गंभीर घायल है। सिंघावली गांव राधिका का पीहर है। शुक्रवार दोपहर राधिका के चाचा की लड़की के लग्न का कार्यक्रम चल रहा था।

इस दौरान राधिका और राघवेंद्र में कहासुनी हो गई। वह राधिका को कमरे में ले गया। कमरा बंद कर उसने पहले देसी कट्टा से राधिका की छाती में गोली मारी। फिर खुद के सीने पर फायर कर लिया। गोली चलने की आवाज सुनकर राधिका के परिजन कमरे की तरफ भागे। उन्होंने कमरे का गेट तोड़ा और दोनों को बाहर निकाला। तब तक राघवेंद्र की मौत हो चुकी थी। राधिका को गंभीर हालत में रूपवास हॉस्पिटल लेकर गए। वहां से रेफर करने पर उसे भरतपुर के RBM अस्पताल में भर्ती करवाया। हालत क्रिटिकल होने पर उसे जयपुर रेफर कर दिया गया।

फर्श पर बिखरा था खून

कमरे में फर्श पर खून बिखरा हुआ था। पुलिस ने कमरे से हथियार को बरामद कर लिया है। राधिका के परिजनों से पूछताछ कर रही है। दोनों के बीच क्या विवाद हुआ था, इसके बारे में परिजन को पता नहीं है।

परिजन बोले- घर आते ही गोली मार दी

परिजन ने पुलिस को बताया कि राधिका शादी में शामिल होने 30 अप्रैल को ही घर आई थी। जबकि राघवेंद्र आज दोपहर करीब 12 बजे आया था। आते ही उसने राधिका को लग्न के कार्यक्रम से बुलाया और एक कमरे में ले गया। वहां उसने उसे गोली मार दी।

घायल राधिका की हालत गंभीर है।

पत्नी के पीहर जाने से नाराज था

एसएचओ विनोद मीणा ने बताया कि राघवेंद्र खेतीबाड़ी और ट्रक ड्राइवर की नौकरी करता था। राघवेंद्र ने राधिका को शादी में जाने से मना किया था। इसके बाद भी राधिका गुरुवार को पीहर आ गई। शुक्रवार को जब राघवेंद्र अपने घर पहुंचा तो उसे पता लगा कि राधिका पीहर चली गई। इसी बात से नाराज होकर राघवेंद्र अपने ससुराल पहुंचा था। फिर उसने इस घटना को अंजाम दिया।

राहुल गांधी को बड़ी राहत

तमसा संकेत, एजेंसी

बीजेपी-आरएसएस के खिलाफ दिए बयान पर एफआईआर दर्ज करने की याचिका खारिज

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बयान को लेकर दायर याचिका को रद्द कर दिया है। राहुल गांधी ने बीजेपी और आरएसएस के खिलाफ बयान दिया था। इसी बयान के खिलाफ FIR दर्ज करने की याचिका दाखिल हुई थी। इस मामले में 9 अप्रैल को हाईकोर्ट के जस्टिस विक्रम डी. चौहान की सिंगल बेंच सुनवाई पूरी कर फैसला सुरक्षित कर लिया था। शुक्रवार को कोर्ट ने याचिका खारिज कर दी।

यह याचिका सिमरन गुप्ता ने दायर की है। इसमें संभल की चंदौसी कोर्ट के 7 नवंबर 2025 के आदेश को चुनौती दी गई है। उस आदेश में चंदौसी कोर्ट ने राहुल गांधी के खिलाफ दाखिल याचिका को कमजोर बताते हुए खारिज कर दिया था। इसके बाद याचिकाकर्ता ने इलाहाबाद हाईकोर्ट का रुख किया।

इससे पहले 21 मई 2025 को संभल के जिला जज कोर्ट ने राहुल गांधी को नोटिस जारी कर जवाब देने या कोर्ट में पेश होने को कहा था। बाद में अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने समन जारी किया, लेकिन बाद में याचिका खारिज कर दी गई। इसी आदेश को हाईकोर्ट में चुनौती दी गई है। याचिका में कहा गया है कि राहुल गांधी ने 15 जनवरी 2025 को बयान दिया था कि "हम बीजेपी, आरएसएस और भारतीय सरकार से लड़ रहे हैं।" इसी बयान के आधार पर उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने के लिए स्पेशल एमपी/एमएलए कोर्ट में आवेदन दिया गया था, जिसे अधिकार क्षेत्र के आधार पर खारिज कर दिया गया।

उद्घाटन समारोह में दिया था बयान

दिल्ली में कांग्रेस मुख्यालय के उद्घाटन के दौरान राहुल गांधी ने कहा था कि उनकी विचारधारा हजारों साल पुरानी है और वह आरएसएस की विचारधारा से लड़ रही है। उन्होंने यह भी कहा था कि बीजेपी और आरएसएस ने देश के संस्थानों पर कब्जा कर लिया है और अब उनकी लड़ाई भारतीय सरकार से भी है। साथ ही उन्होंने मीडिया की निष्पक्षता पर भी सवाल उठाए थे।

सैकड़ों महिलाएं सिर पर मीटर लेकर बिजली ऑफिस पहुंचीं, बोलीं- ये बर्दाश्त नहीं

महिलाओं ने स्मार्ट मीटर उखाड़कर फेंके

घरों पर लगे स्मार्ट मीटर को महिलाओं ने उखाड़ लिया। फिर सिर पर लेकर बिजली विभाग तक पहुंचीं। वहां फेंक दिया।

विरोध

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। आगरा में बिजली विभाग के स्मार्ट मीटर को लेकर विरोध बढ़ता जा रहा है। शुक्रवार को शहर से 20 किमी दूर अकोला कस्बे में सैकड़ों महिलाओं ने घरों से स्मार्ट मीटर उखाड़ लिए। सिर पर मीटर लेकर गांव के बिजली ऑफिस पहुंच गईं और वहां मीटर फेंक दिए।

स्मार्ट मीटर को लेकर लोगों में इतना गुस्सा था कि कई लोग बोरे में भरकर भी स्मार्ट मीटर लेकर पहुंचे और उन्हें फेंककर विरोध जताया। इसके बाद महिलाएं और ग्रामीण धरने पर बैठ गए और बिजली विभाग के खिलाफ जमकर नारेबाजी करने लगे। सूचना पर पुलिस पहुंच गई है। महिलाओं और ग्रामीणों को समझाने

आगरा के अकोला कस्बे में सैकड़ों लोग घरों से स्मार्ट मीटर उखाड़ लिए। इसके बाद मीटर लेकर गांव के बिजली ऑफिस पहुंच गए और वहां मीटर फेंक दिए।

में जुटी हुई है। महिलाओं ने कहा- स्मार्ट मीटर उन्हें बर्दाश्त नहीं हैं। स्मार्ट मीटरों की व्यवस्था को तत्काल प्रभाव से रोका जाए और बिजली बिलों में हो रही अनियमितताओं की जांच कराई जाए। स्मार्ट मीटर का क्यों हो रहा विरोध, ग्रामीणों का कहना है कि स्मार्ट मीटर बहुत तेज चलता है। इससे कम इस्तेमाल करने पर भी ज्यादा बिल आ रहा है। यहां तक की कई बार बिना इस्तेमाल के भी बैलेंस कम हो जाता है। लोगों का कहना है कि बैलेंस माइनस में जाते ही बिजली आपूर्ति बंद हो जाती है। रिचार्ज के बाद भी कई बार सप्लाई तुरंत बहाल नहीं होती। स्मार्ट मीटर को कई महीनों से हो रहे विरोध के बाद प्रदेश सरकार ने सरकार को नया आदेश जारी किया था। इसके मुताबिक, 1 किलोवाट तक के कनेक्शन पर 30 दिन तक और 2 किलोवाट पर 200 रुपए माइनस होने पर भी बिजली नहीं काटने की बात कही गई थी। यूपी सरकार ने एक हफ्ते पहले यानी 24 अप्रैल को स्मार्ट मीटर वाले बिजली उपभोक्ताओं को बड़ी राहत दी थी। कहा था- जिन लोगों के घरों में 1 किलोवाट का बिजली कनेक्शन है, अगर उनका बैलेंस नेगेटिव हो जाता है, तब भी 30 दिनों तक उनका कनेक्शन नहीं काटा जाएगा।

मेरठ में किसानों की पंचायत, कहा- मनमानी नहीं थमी, तो स्मार्ट मीटर उखाड़ फेकेंगे

मेरठ में भारतीय किसान यूनियन आजाद के किसानों ने स्मार्ट प्रीपेड मीटर को लेकर पंचायत की। इसमें निर्णय लिया गया कि यदि स्मार्ट प्रीपेड मीटर की मनमानी नहीं थमी, तो किसान घरों पर लगे स्मार्ट मीटर उखाड़कर विभाग को सौंप देंगे। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन बालियान ने कहा कि जब से गांवों में स्मार्ट मीटर लगने शुरू हुए हैं, तब से किसान आर्थिक शोषण झेलने को मजबूर हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि जबरन स्मार्ट मीटर थोपे जा रहे हैं। रिचार्ज खत्म होते ही किसानों की बिजली गुल हो जाती है।

आगरा के ग्रामीणों ने कहा- स्मार्ट मीटर से बिजली बिल बढ़ रहे

आगरा के अकोला कस्बे के ग्रामीणों का कहना है कि स्मार्ट मीटर लगाने से बिजली बिल बढ़ रहा है और उनकी आर्थिक स्थिति पर बोझ बढ़ रहा। उन्होंने मांग की है कि पुराने मीटर ही रखे जाएं और बिजली विभाग उनकी समस्याओं समाधान करे।

अखिलेश बोले- जनता ने चोरी पकड़ी, अभी स्मार्ट मीटर तोड़े रहे, अगली बार ईवीएम

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने एक्स पर कहा- भाजपा सरकार ने जनता को लूटने के लिए टेक्नोलॉजी का दुरुपयोग किया है। प्रीपेड मीटर के नाम पर बिजली में भ्रष्टाचार की लूट मचा रखी है। अब उनकी चोरी जनता ने पकड़ ली है। इस बार स्मार्ट मीटर तोड़ें जा रहे हैं, अगली बार ईवीएम।

फास्ट न्यूज

'गेहूं क्रय केंद्र पहुँचने वाले सभी किसानों की खरीद सुनिश्चित करने के निर्देश'

बाराबंकी । जिलाधिकारी ने मंडी सफदरगंज का निरीक्षण कर गेहूं खरीद व्यवस्था की समीक्षा की। जिलाधिकारी ने निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष खरीद की स्थिति एवं उपलब्ध संसाधनों की जानकारी प्राप्त कर निर्देशित किया कि केंद्र पर आने वाले प्रत्येक किसान की उपज की खरीद सुनिश्चित की जाए। साथ ही सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध रखने तथा व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के निर्देश दिए।

प्रयागराज में सस्पेंडेड इंजीनियर 30 फीट ऊंचे टॉवर पर चढ़ा

प्रयागराज। प्रयागराज में निलंबन से नाराज बिजली विभाग के जूनियर इंजीनियर अभय कुमार यादव गुरुवार शाम 6 बजे 30 फीट ऊंचे टॉवर पर चढ़ गए। अभय टॉवर से ही चिल्लाकर बार-बार कह रहे थे, 'जब तक मुझे बहाल नहीं किया जाता है, नीचे नहीं आऊंगा।' एक दिन पहले लाइनमैन की मौत के बाद इंजीनियर अभय को निलंबित कर दिया गया था। सूचना पाकर अभय के साथी इंजीनियर मौके पर पहुंचे। उन्होंने विभाग पर प्रताड़ित करने का आरोप लगाया। कर्मचारियों ने चीफ इंजीनियर के खिलाफ नारे लगाए।

स्टेट लेवल फुटबाल खिलाड़ी को डीसीएम ने कुचला, मौत

कानपुर। कानपुर के सचेंडी स्थित ट्रांसपोर्ट कंपनी के वेयर-हाउस में गुरुवार देर रात डीसीएम ने स्टेट लेवल फुटबाल खिलाड़ी को कुचल दिया। साथी कर्मचारियों ने परिजनों को घटना की जानकारी दी, जिसके बाद वह हैलट अस्पताल पहुंचे। जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद परिजन शव लेकर कैंट स्थित घर आ गए और पुलिस को घटना की जानकारी दी।

मई दिवस पर श्रमिकों के अधिकारों को लेकर कार्यशाला आयोजित

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। अन्तर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस (मई दिवस) के अवसर पर कलेक्ट्रेट सभागार में एक जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस दौरान लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उपस्थिति में आयोजित 'श्रमवीर गौरव समारोह 2026' एवं श्रमिक कल्याण योजनाओं के लोकार्पण/शिलान्यास कार्यक्रम का सजीव प्रसारण भी देखा गया।

कार्यक्रम जिलाधिकारी के निर्देश पर मुख्य विकास अधिकारी डॉ. पूजा गुप्ता की अध्यक्षता में आयोजित हुआ, जिसका उद्देश्य श्रमिकों को उनके अधिकारों, कर्तव्यों और सरकारी योजनाओं की जानकारी देना रहा।

कार्यक्रम की शुरुआत सहायक श्रम आयुक्त एम.एल. पाल और उपायुक्त उद्योग चंद्रभान सिंह द्वारा अतिथियों के स्वागत से हुई। इस दौरान भारतीय मजदूर संघ के जिला अध्यक्ष राजकुमार उपाध्याय, जे.पी. शुक्ला, लघु उद्योग भारती के अंकित बंसल और राष्ट्रीय जन उद्योग व्यापार संगठन के जगत अग्रवाल सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

लड़की के परिजनों ने प्रतापगढ़ से उन्नाव बुलाकर लाठी-डंडों से पीटा, मां बोली- 1 लाख रुपये मांग रहे थे

इंस्टाग्राम पर दोस्ती के बाद युवक की हत्या

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। इंस्टाग्राम पर लड़की से दोस्ती के बाद ब्लैकमेलिंग के चलते प्रतापगढ़ के युवक की उन्नाव बुलाकर हत्या कर दी गई। करीब एक साल पहले दोनों की इंस्टाग्राम पर दोस्ती हुई थी। आरोप है कि युवक लड़की पर मिलने का दबाव बना रहा था। लड़की के मना करने पर उसकी अश्लील फोटो सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी दे रहा था।

युवती ने ये बात अपने परिजनों को बताई और पुलिस में शिकायत दी। लड़के की मां का आरोप है कि थाने में शिकायत के बाद लड़की के परिवार वाल बेटे को किडनैपिंग के केस में फंसाने की धमकी दे रहे थे।

उन लोगों ने बेटे से एक लाख रुपये मांगे। बेटा रुपये लेकर आया तो पहले उसे जहर दिया। उसके बाद लाठी डंडों से पीट पीटकर उसकी हत्या की दी। मामले में पुलिस ने लड़की और उसके परिवार वालों को हिरासत में ले लिया है। वारदात अजगैन थाना क्षेत्र के मीत खेड़ा गांव की है। बताया जाता है कि प्रतापगढ़ के वीरापुर के रहने वाले अखिलेश गौतम (20) की उन्नाव के अजगैन क्षेत्र के मीत खेड़ा गांव की रहने वाली 21 साल की मुस्कान से मार्च 2025 में इंस्टाग्राम पर दोस्ती हुई थी।

आरोप है कि इसी से तंग आकर युवती के परिजनों ने उसे बुलाकर मारने की प्लानिंग की। युवती से कॉल कराकर गुरुवार को अखिलेश को उन्नाव के सोनिक रेलवे स्टेशन के पास मिलने बुलाया। युवक अपनी मां से दिल्ली जाने की बात कहकर घर से निकला और सोनिक स्टेशन पहुंच गया।

खेत में ले जाकर पीट पीटकर मार डाला

मुस्कान के परिजन अखिलेश को बहाने से बाइक पर बैठाकर बंदरहा गांव के पास एक खेत में ले गए। आरोप है कि खेत में पहुंचने के बाद मुस्कान, उसके पिता और भाई ने मिलकर अखिलेश की बेरहमी से पिटाई की, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद आरोपी शव को खेत में छोड़कर फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जेब में मिले मोबाइल से मृतक के परिजनों को कॉल करके सूचना दी गई।

15 दिन पहले मिलने बुलाया था

लगभग 15 दिन पहले अखिलेश ने मुस्कान को मिलने के लिए बुलाया और मना करने पर फोटो सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी दी। इससे परेशान होकर मुस्कान ने अजगैन कोतवाली में शिकायत भी दर्ज कराई थी। हालांकि, परिजनों का आरोप है कि शिकायत पर पुलिस ने कोई ठोस कार्रवाई नहीं की। जिसके चलते अखिलेश लगातार दबाव और धमकी देता रहा।

मां बोली- हत्यारों को कड़ी सजा मिले

शुक्रवार सुबह मृतक अखिलेश की मां रेखा उन्नाव पहुंचीं। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि मेरे बेटे से पहले पैसे की मांग की गई थी। एक लाख रुपये न देने पर बेटे को झूठे किडनैपिंग केस में फंसाने की धमकी दी जा रही थी। बेटे को बहला-फुस-लाकर बुलाया गया। उसके बाद उसे नशीला पदार्थ पिलाया गया।

शादी के 5 दिन बाद दुल्हन की हत्या

पिता बोले- बॉयफ्रेंड ने रेप किया, जबड़ा तोड़ा, फिर चाकू से मारकर पेड़ से लटकाया

तमसा संकेत, एजेंसी

सोनभद्र । सोनभद्र में शादी के महज 5 दिन बाद ही 22 साल दुल्हन की हत्या कर दी गई। शव घर से 200 मीटर दूर नाले के किनारे पेड़ से लटकता मिला। सलवार खुली थी। कपड़े अस्त-व्यस्त थे।

लड़की के दोनों घुटने जमीन छू रहे थे। रस्सी का फंदा जबड़े में लिपटा हुआ था। जबड़ा टूटा हुआ था। गले और पेट से खून निकल रहा था। चोट के गहरे निशान थे। सूचना पर पहुंची पुलिस और फॉरेंसिक टीमों ने सबूत जुटाए।

पिता ने बेटी के प्रेमी पर रेप और हत्या कर शव को फंदे से लटकाने का आरोप लगाया है। पिता ने बताया- एक दिन पहले ही युवती अपने पति के साथ मायके आई थी। आज सुबह टॉयलेट के लिए खेत गई थी। सुबह गांव वालों ने उसका शव

देखा। परिजनों की सूचना पर प्रभारी निरीक्षक दीनू प्रसाद यादव पुलिस फोर्स और फॉरेंसिक टीम लेकर मौके पर पहुंचे। शव को उतारकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया। पुलिस ने आसपास से साक्ष्य भी जुटाए। पिता ने बताया- मेरी बेटी का पहले गांव के ही रहने वाले बबलू से प्रेम-प्रसंग था। बाद में बेटी ने उससे बात करना छोड़ दिया था। 2 साल पहले गांव में पंचायत करके निर्णय लिया गया कि दोनों एक दूसरे से बात नहीं करेंगे। लेकिन उसके बाद भी बबलू उसे परेशान करता था। इसके बाद हमने बेटी की शादी तय कर दी। पिता ने आरोप लगाते हुए कहा- बबलू ने ही मेरी बेटी की हत्या की है। पहले पीट-पीटकर उसका जबड़ा तोड़ा। रेप किया और फिर चाकू घोपकर मार डाला। इसके बाद पुलिस को गुमराह करने के लिए शव को पेड़ से लटका दिया है।

30 अप्रैल को ससुराल से मायके आई थी

घटना जिला मुख्यालय से 130 किलोमीटर दूर बभनी थाना क्षेत्र की है। युवती की शादी 25 अप्रैल को छत्तीसगढ़ के रहने वाले युवक से हुई थी। 29 मई को पिता-भाई उसे लेकर ससुराल गए। 30 अप्रैल, गुरुवार की सुबह 9:30 बजे बेटी-दामाद को लेकर घर वापस आ गए। गुरुवार को ही पड़ोसी की बेटी की शादी थी। रात में बारात आई थी। लड़की और उसका पूरा परिवार बारात की आवभगत करने पड़ोसी के घर गया था। रात डेढ़ बजे युवती अपने घर लौट आई और सो गई। पिता ने बताया- आज सुबह 4:30 बजे बेटी उठी और शौच के लिए खेत की ओर चली गई। काफी देर तक नहीं लौटी। हमने खोजबीन शुरू की, पर कुछ पता नहीं चला। डेढ़ घंटे के बाद सुबह करीब 6 बजे गांव के कुछ लोगों ने घर से करीब 200 मीटर की दूरी पर युवती के शव को पेड़ के लटकते देखा।

सीओ दुद्धी संतोष राय ने बताया कि परिजनों ने रेप और हत्या की आशंका जताई है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही इसकी पुष्टि हो सकेगी। आरोपी की तलाश के लिए टीमें लगाई गई हैं। सभी पहलुओं से जांच की जा रही है। जल्द ही मामले का खुलासा किया जाएगा।

पत्नी को कॉल कर 11वीं मंजिल से कूदा कारोबारी

आईपीएल सट्टे में लाखों हार गया था

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में 35 साल के प्रॉपर्टी डीलर ने 11वीं मंजिल से कूदकर जान दे दी। वह IPL मैच में सट्टा लगाता था। गुरुवार को आरसीबी और गुजरात जायंट्स के मैच में लाखों रुपए हार गया। इसके बाद उसने पत्नी को फोन किया। रोते हुए बोला- बहुत कुछ हार गया हूं। पत्नी ने समझाया, लेकिन वह मैच के दौरान ही अपार्टमेंट की बालकनी से नीचे कूद गया।

युवक के गिरने की आवाज सुनकर सोसाइटी के लोग दौड़कर वहां पहुंचे, लेकिन तब तक युवक की मौत हो चुकी थी। सूचना पर पहुंची पुलिस को मौके से सुसाइड नोट मिला है। जिसमें प्रबल ने मैच में रुपए हारने की बात लिखी है।

सीतापुर का रहने वाला प्रबल जैन गुडंबा थाना क्षेत्र के जनेश्वर

अपार्टमेंट में किराए पर रहता था। उसने अभी 8 महीने पहले ही लव मैरिज की थी। हादसे के वक्त पत्नी सीतापुर में थी। दोनों की फोन पर बातचीत चल रही थी। घटना गुरुवार रात 8.30 बजे की है। उस समय आरसीबी और गुजरात जायंट्स का मैच चल रहा था।

गुरुवार रात करीब 8.30 बजे प्रबल ने 11वीं मंजिल से नीचे छलांग लगाई। बारिश के बाद मौसम सुहाना था, लोग सोसाइटी में ही घूम रहे थे। नीचे गिरने की आवाज से लोग दौड़कर वहां पहुंचे। भीड़ जमा हो गई। मौके पर चीख-पुकार मच गई।

पृष्ठ 01 का शेष...

श्रमिकों को 5...

योगी ने कहा पहले कुछ लोग गरीबों का राशन हड़प लेते थे। अब प्रदेश के 16 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन मिल रहा है। जो भी गरीबों के हक में डकैती डालता था, उसकी जगह अब हवालात में है। कोरोना की त्रासदी को याद करिए, विपक्षी नेता रजाई तानकर सो गए थे। कोई सामने नहीं आ रहा था। अगर कोई सामने आया तो वह डबल इंजन की सरकार थी।

सीएम योगी ने इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित श्रमवीर गौरव सम्मान समारोह में 5 श्रमिकों को टूलकिट (हेलमेट, बैग, टैबलेट) देकर सम्मानित किया। अटल आवासीय विद्यालयों में टॉप करने वाले छात्र-छात्राओं को भी टैबलेट दिए। प्रयागराज-झांसी के अटल विद्यालय के हेडमास्टर को भी प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया।

इससे पहले, डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने 75 जिलों से आए 75 श्रमिकों से बात की। उन्होंने देसी अंदाज में पूछा कि तुम लोगन के लड़कन-लड़की अटल आवासीय विद्यालय मा पढ़ रहै हैं न? तुम्हार जी जुड़ान कि नाहीं। तुम्हार मजदूरी केहू नहीं हड़प सकत। केतनव बड़ा गुंडा होए, उसका इलाज हम करब। हमारी सरकार मा तुम लोगन के सम्मान की गारंटी है।

सुप्रीम कोर्ट ने पवन...

कोर्ट के फैसले के बाद जयराम रमेश और अभिषेक मनु सिंघवी ने इस पर कहा- 60 पुलिसवालों को खेड़ा के घर पर भेज दिया। भारी संख्या में पुलिस भेजने का कारण सिर्फ डराना और उत्पीड़न करना था।

कोर्ट की सुनवाई खत्म होने के बाद कांग्रेस नेता जयराम रमेश और अभिषेक मनु सिंघवी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने असम के मुख्यमंत्री को तीन पन्नों में कोट किया है। ऐसी कई बातें हैं जो न न्यायालय कोट कर सकता है और न हम यहां बोल सकते हैं।

उन्होंने कहा कि ऐसे में असम के मुख्यमंत्री को सोचना चाहिए कि क्या एक संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति को ये शोभा देता है? हम चाहते हैं कि असम के मुख्यमंत्री इस बारे में गंभीरतापूर्वक विचार कर खेद व्यक्त करें।

संविधान विरोधी...

उनका आरोप था कि इस कदम के जरिए विपक्षी सांसदों को चुनावी प्रक्रिया से दूर रखने की रणनीति अपनाई गई।

उन्होंने सरकार को हर मोर्चे पर विफल बताते हुए कहा कि महंगाई और बेरोजगारी से जनता परेशान है और इन मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए नए-नए विवाद खड़े किए जा रहे हैं। उन्होंने जातीय जनगणना न कराए जाने को भी सरकार की बड़ी चूक बताया।

सपा प्रमुख ने कानून व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए हरदोई की एक घटना का जिक्र किया और पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के लिए सीबीआई जांच की मांग की। साथ ही उन्होंने वाराणसी की घटना को लेकर भी सरकार पर निशाना साधा और कहा कि सरकारी नीतियों और बयानों के कारण लोग कानून हाथ में ले रहे हैं। बिजली व्यवस्था और स्मार्ट मीटर को लेकर भी उन्होंने सरकार की आलोचना की और आरोप लगाया कि इसके जरिए जनता पर आर्थिक बोझ डाला जा रहा है।

एमपी में हुए क्रूज...

वहीं, होटल मैकल रिसॉर्ट और बोट क्लब बरगी के मैनेजर सुनील मरावी को कार्य में लापरवाही के आरोप में निलंबित किया गया है। रीजनल मैनेजर संजय मल्होत्रा को मुख्यालय अटैच कर उनके खिलाफ विभागीय जांच शुरू कर दी गई है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि इस मामले में दोषियों को किसी भी स्थिति में बख्शा नहीं जाएगा। बताया जा रहा है कि हादसे के वक्त क्रूज में लगभग 43 से 47 पर्यटक थे। टिकट सिर्फ 29 लोगों की कटी थी। हादसा किनारे से करीब 300 मीटर दूर हुआ, जिस समय क्रूज डूबा, उस वक्त हवा की रफ्तार 74 किलोमीटर प्रतिघंटा थी। बरगी सिटी सीएसपी अंजुल मिश्रा के मुताबिक, SDRF ने कई लोगों को बचाया, लेकिन अंधेरा और खराब मौसम से राहत कार्य प्रभावित हुआ।

कोलकाता के ईवीएम...

उधर, कोलकाता के सात EVM स्ट्रॉन्गरूम में सिक्योरिटी सख्त कर दी गई है। पुलिस ने 200 मीटर के दायरे में 5 या उससे ज्यादा लोगों के इकठ्ठा होने पर रोक लगा दी है।

सेंट्रल ऑर्म्ड पुलिस फोर्सेस (CAPF) की करीब 700 कंपनियां तैनात की गई हैं। प्रशासन ने यह फैसला खुदीराम अनुशीलन केंद्र के स्ट्रॉन्ग रूम के बाहर गुरुवार रात TMC और BJP कार्यकर्ताओं के 5 घंटे विरोध-प्रदर्शन के बाद लिया गया है।

सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल चुनाव मामले में TMC की याचिका पर सुनवाई के लिए स्पेशल बेंच गठित की है। यह याचिका कलकत्ता हाईकोर्ट के उस आदेश के खिलाफ है, जिसमें काउंटिंग में केवल केंद्र सरकार और PSU कर्मचारियों को सुपरवाइजर बनाने की बात कही गई थी।

जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जॉयमाल्या बागची की बेंच 2 मई को सुबह 10:30 बजे सुनवाई करेगी।

4 मई को वोटों की गिनती से पहले कोलकाता में खुदीराम अनुशीलन केंद्र में बने स्ट्रॉन्ग रूम के बाहर भारी सुरक्षा है। CRPF के जवान यहां तैनात हैं।

कल खुदीराम अनुशीलन केंद्र काउंटिंग सेंटर पर तब तनाव की स्थिति बन गई जब TMC नेताओं ने धरना दिया और छेड़छाड़ का आरोप लगाया।

TMC नेताओं का डेलीगेशन शुक्रवार शाम को कोलकाता में चुनाव आयोग के ऑफिस पहुंचा। इसमें फरहाद हकीम, असीम बोस और शशि पांजा शामिल हैं।

सुवेंदु अधिकारी ने कहा कि ये बहुत शर्म की बात है। ममता 8 बार लोकसभा और 4 बार विधानसभा चुनाव लड़ चुकी हैं। इसके बाद भी उन्होंने कल ड्रामा किया। उन्होंने कहा कि बंगाल पिछले 15 साल में बर्बाद हो चुका है। अब चुनाव खत्म हो गया है और बंगाल में शांति की उम्मीद है।

भाजपा नेता और भवानीपुर से उम्मीदवार सुवेंदु अधिकारी अपने एजेंट के साथ कोलकाता के सखावत मेमोरियल स्कूल के स्ट्रॉन्ग रूम में पहुंचे हैं। इसी स्ट्रॉन्ग रूम में गुरुवार रात को सीएम और भवानीपुर से TMC कैंडिडेट ममता बनर्जी 4 घंटे बैठी रही थीं।

हल्दिया में शनिवार को एक अनजान महिला डिस्ट्रीब्यूशन रिसेप्शन सेंटर (DCRC) में घुसी। सुरक्षाकर्मियों ने जब पूछताछ की तो उसने खुद को पश्चिम बंगाल IT इंफ्रास्ट्रक्चर डिपार्टमेंट की कर्मचारी बताया। आखिर में उसे तृणमूल कांग्रेस के लोगों ने रोका, जिसके बाद इलेक्शन कमीशन के अधिकारी आए और कहा कि यह एक गलती थी और वह अनजाने में वहां आ गई थी।

अंतर्राष्ट्रीय मजदूर...

साथ ही उनके अधिकारों और सुरक्षा को लेकर जागरूकता बढ़ाने पर भी जोर दिया गया। आयोजन ने यह संदेश दिया कि उद्योगों की मजबूती श्रमिकों की मेहनत पर ही टिकी होती है। मजदूर दिवस के अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में श्रमिकों का योगदान महत्वपूर्ण है। ऐसे आयोजन श्रमिकों को सम्मान देने और उनके अधिकारों को याद रखने का अवसर प्रदान करते हैं।

जम्मू के बनतालाब...

अधिकारियों का कहना है कि रेस्क्यू का काम पूरा होने के बाद ही हादसे की असली वजह पता चल पाएगी।

जम्मू-कश्मीर के जोजिला पास के शैतान नाला क्षेत्र में शनिवार को एवलांच (हिमस्खलन) हुआ। इसकी चपेट में आने से कई वाहन 8 फीट से ज्यादा बर्फ में दब गए। एक टैंकर ड्राइवर एवलांच में फंसा हुआ है।

सैन्य अधिकारियों के मुताबिक सूचना मिलते ही रेस्क्यू टीमों को मौके पर भेजा गया और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया गया है। टीमें बर्फ हटाने और फंसे लोगों को सुरक्षित निकालने में जुटी हैं।

पिछले 28 दिनों में जोजिला पास में यह दूसरा एवलांच था। 28 मार्च को हुए एवलांच में 7 लोगों की मौत हो गई थी।

भुवनेश्वर के टी-20 क्रिकेट में 350 विकेट, गुजरात का दूसरा सबसे तेज रनचेज

पाटीदार के कैच पर विवाद अंपायर से नाखुश दिखे विराट कोहली

खेल

अहमदाबाद, एजेंसी

गुजरात टाइटंस ने IPL 2026 में गुरुवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को 4 विकेट से हरा दिया। अहमदाबाद में खेले गए इस मैच में गुजरात ने 25 गेंद रहते 156 रन का टारगेट हासिल किया। यह IPL में गुजरात का दूसरा सबसे तेज रनचेज है। भुवनेश्वर कुमार टी20 में 350 विकेट पूरे करने वाले दूसरे भारतीय गेंदबाज बने। RCB की पारी के दौरान रजत पाटीदार के कैच को लेकर विराट कोहली अंपयार से बहस करते दिखे। 18वें ओवर में अरशद खान की तीखी शॉर्ट पिच गेंद वेंकटेश अय्यर की कोहनी पर जा लगी। इसके बाद वह काफी दर्द में नजर आए। अय्यर पुल शॉट मारने की कोशिश में जल्दी बल्ला घुमा बैठे और गेंद सीधे उनकी कोहनी पर जा लगी। फिजियो को तुरंत मैदान पर आना पड़ा। हालांकि अय्यर ने बल्लेबाजी जारी रखी। बेंगलुरु की पारी के दौरान 14 से 18 ओवर के बीच 23 गेंद तक कोई बाउंड्री नहीं लगी। आखिरकार 18वें ओवर में अरशद खान की चौथी गेंद पर चौका लगाकर भुवनेश्वर कुमार ने बाउंड्री का सूखा खत्म किया। इससे पहले 14वें ओवर में राशिद खान की चौथी गेंद पर रोमारियो शेफर्ड ने छक्का लगाया था।

भुवनेश्वर कुमार ने टी-20 क्रिकेट में 350 विकेट पूरे किए

बेंगलुरु के गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार ने पुरुष टी-20 क्रिकेट में अपने 350 विकेट पूरे कर लिए हैं। वे ऐसा करने वाले दूसरे भारतीय गेंदबाज बन गए हैं। भुवी से पहले युजवेंद्र चहल यह कारनामा कर चुके हैं। चहल 391 विकेट के साथ टॉप पर हैं। भुवी ने बुमराह और अश्विन जैसे दिग्गजों को पीछे छोड़ते हुए यह उपलब्धि हासिल की।

गुजरात टाइटंस ने गुरुवार को आरसीबी के खिलाफ 25 गेंद रहते जीत दर्ज की। यह गुजरात के इतिहास का दूसरा सबसे तेज रनचेज है। सबसे ज्यादा गेंद रहते उनकी सबसे बड़ी जीत 2023 में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ आई थी। तब टीम ने 37 गेंद रहते टारगेट हासिल किया था।

पाटीदार को आउट दिए जाने के बाद विराट कोहली नाराज दिखे।

कोहली ने रबाडा के ओवर में लगातार 5 चौके मारे

विराट कोहली ने गुजरात के खिलाफ एक ओवर में 5 चौके मारे। उन्होंने कगिसो रबाडा पहली गेंद से ही प्रहार किया। उन्होंने पहली गेंद को मिडविकेट, दूसरी को मिड ऑफ, तीसरी को डिप प्वाइंट पर चौका जड़ा। चौथी गेंद को थर्ड मैन और पांचवी गेंद को कवर पर चार रन के लिए भेजा।

पाटीदार के कैच पर अंपायर के फैसले से नाराज दिखे कोहली

बेंगलुरु की पारी के 8वें ओवर में हाई-वोल्टेज ड्रामा देखने को मिला। अरशद खान के ओवर की चौथी गेंद पर रजत पाटीदार ने पुल शॉट खेला। गेंद डीप बैकवर्ड स्क्वायर लेग की ओर गई, जहां जेसन होल्डर ने डाइव लगाकर शानदार कैच पकड़ा। इस दौरान डग आउट पर बैठे विराट कोहली अंपायर के फैसले से नाराज दिखे। उनका मानना था कि कैच क्लीन नहीं है। हालांकि थर्ड अंपायर ने रिप्ले देखकर आउट दिया था।

हार के बाद बल्लेबाजों पर बरसे रजत पाटीदार

शुभमन गिल की पारी के पढ़े कसीदे

नई दिल्ली। इस सीजन शानदार फॉर्म में चल रही रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू को गुरुवार को गुजरात टाइटंस के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा है। इस हार के बाद आरसीबी के कप्तान रजत पाटीदार ने अपनी टीम के बल्लेबाजों को कोसा है। उन्होंने साथ ही गुजरात के कप्तान शुभमन गिल की बल्लेबाजी की तारीफ भी की है।

आरसीबी की टीम इस सीजन तूफानी बल्लेबाजी कर रही है, लेकिन अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए मैच में वह 19.2 ओवरों में 155 रनों पर ही ढेर हो गई। मेजबान टीम के लिए ये टारगेट हासिल करना मुश्किल नहीं रहा। उसने 15.5 ओवरों में ये टारगेट हासिल कर लिया।

इस हार से आरसीबी के कप्तान काफी निराश दिखे। उन्होंने अप्रत्यक्ष तरीके से अपने बल्लेबाजों को हार का जिम्मेदार बताया। उन्होंने कहा, इस पिच पर ये स्कोर काफी नहीं था, लेकिन हमने जिस तरह से गेंदबाजी की और मैच को खींचा वो एक पॉजिटिव साइन है। पिच पर अच्छी-खासी घास है और इसने तेज गेंदबाजों को मदद की।

उन्होंने कहा, जिस तरह से शुभमन ने बल्लेबाजी की वो शानदार थी और इसने हमारे ऊपर दबाव बना दिया। हमने बीच के ओवरों में काफी विकेट गंवाए जिसने हमें बैकफुट पर धकेल दिया।

श्रीलंका विमेंस ने बांग्लादेश से टी20 सीरीज जीती

दूसरे टी-20 में 21 रन से हराया, तीन मैच की सीरीज में 2-0 से आगे

सिलहट, एजेंसी

श्रीलंका महिला टीम ने सिलहट में खेले गए दूसरे टी20 मुकाबले में बांग्लादेश को 21 रन से हराकर 2-0 से अजेय बढ़त बना ली।

टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी श्रीलंका ने 20 ओवर में 4 विकेट खोकर 154 रन बनाए, जवाब में बांग्लादेश निर्धारित ओवर में 5 विकेट पर रन ही बना सकी।

श्रीलंका की शुरुआत खराब रही। टीम ने 22 रन पर ही हसीनी परेरा का विकेट गंवा दिया। वह 11 गेंद पर 9 रन बनाकर आउट हुई। दूसरे विकेट के लिए कप्तान चमारी अटापट्टू और इमेशा दुलानी के बीच 44 रन की साझेदारी हुई। इमेशा ने 25 गेंद पर 27 रन, जबकि अटापट्टू ने 37 गेंद पर 42 रन बनाए। श्रीलंका ने आखिरी 4 ओवर में 60 रन बनाए। इस दौरान हर्षिता समराविक्रमा ने 29 गेंदों पर 49 रन की पारी खेली। उन्होंने 4 चौके और 2 छक्के लगाए। नीलाक्षिका सिल्वा ने नाबाद 22 रन बनाए।

पहले मैच में श्रीलंका ने 25 रन से जीत दर्ज की थी। 2 मई को सीरीज का तीसरा और आखिरी मैच खेला जाएगा।

श्रीलंकाई स्पिनर्स के सामने बांग्लादेश ने घुटने टेके

बांग्लादेश के लिए दिलारा अख्तर और जुएरिया फर्दोस की ओपनिंग जोड़ी ने 46 रन जोड़े। पावरप्ले के बाद श्रीलंका के स्पिनर्स ने रन गति को धीमा रखा। 7 से 14 ओवर तक बांग्लादेश सिर्फ 39 रन ही जोड़ सकी और 4 विकेट गवां दिए। इसके बाद जरुरी रन रेट बढ़ता ही गया और बांग्लादेश मैच हार गई। शर्मीन अख्तर ने 47 गेंद पर नाबाद 44 रन की धीमी पारी खेली और बांग्लादेश की टॉप स्कोरर रही। श्रीलंकाई स्पिनर कविशा दिल्हारी ने 4 ओवर में 15 रन देकर 2 विकेट लिए।

ऑस्ट्रेलियाई प्रोफेसर का दावा-जूतों के डिजाइन, कपड़ों के मैटेरियल की मदद से तेज होगी दौड़

रिकॉर्ड : 5 मिनट और तेज हो सकती है मैराथन की रफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी

लंदन की सड़कों पर रविवार को इतिहास बन गया, जब लंदन मैराथन में पहली बार दो धावकों ने 42.195 किलोमीटर की दूरी 2 घंटे से कम समय में पूरी कर दी। यह खेल इतिहास का ऐसा पल था, जिसे कभी असंभव माना जाता था। इन खिलाड़ियों ने न सिर्फ रिकॉर्ड तोड़ा, बल्कि यह भी दिखाया कि इंसानी क्षमता की सीमाएं लगातार आगे बढ़ रही हैं। आज के एथलीट्स बेहतर ट्रेनिंग, उन्नत जूतों, संतुलित पोषण और नई टेक्निक का फायदा उठा रहे हैं।' उनका मानना है कि आने वाले समय में जूतों के डिजाइन, कपड़ों के मैटेरियल और टेक्निक जैसे पहलुओं में बदलाव इस खेल को और तेज बना सकते हैं। हालांकि, इसके साथ डोपिंग नियंत्रण भी उतना ही जरूरी रहेगा, ताकि निष्पक्षता बनी रहे। वे यह भी कहते हैं कि जैसे-जैसे रिकॉर्ड बेहतर होते जाते हैं, उन्हें और सुधारना कठिन हो जाता है। यह ठीक वैसा ही है, जैसे कोई व्यक्ति फिटनेस सुधारने की कोशिश करता है, शुरुआत में तेजी से सुधार होता है, लेकिन बाद में हर ग्राम कम करने के लिए ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है। इस ऐतिहासिक दिन महिलाओं की दौड़ में भी रिकॉर्ड बना। इथोपिया की टिग्स्ट असेफा ने 2:15:41 घंटे के समय के साथ महिलाओं की सबसे तेज 'वुमेंस-ओनली' मैराथन जीतकर नया कीर्तिमान स्थापित किया।

केन्या के सेबेस्टियन सावे लंदन मैराथन में 1:59 :30 का समय लेकर नया वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया।

भविष्यवाणी भी हुई पीछे

कहानी यहीं खत्म नहीं होती। ऑस्ट्रेलिया की मोनाश यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर साइमन एंगस का मानना है कि यह रिकॉर्ड भी ज्यादा समय तक नहीं टिकेगा। उनका कहना है कि भविष्य में मैराथन का समय 1 घंटा 54 मिनट तक पहुंच सकता है, यानी मौजूदा रिकॉर्ड से करीब 5 मिनट 30 सेकंड तेज। एंगस पिछले कई वर्षों से मैराथन रिकॉर्ड्स का अध्ययन कर रहे हैं। उन्होंने 2019 में अनुमान लगाया था कि 2 घंटे से कम समय का रिकॉर्ड 2032 तक बनेगा। बाद में उन्होंने इसे 2027 तक संशोधित किया। लेकिन लंदन में जो हुआ, उसने उनकी सभी भविष्यवाणियों को पीछे छोड़ दिया। एंगस बताते हैं, 'यह सिर्फ दौड़ नहीं है, बल्कि विज्ञान, टेक्निक और कड़ी मेहनत का संगम है।

मनोरंजन

धर्मेंद्र को याद कर भावुक हुईं हेमा मालिनी

नई दिल्ली। एक्ट्रेस हेमा मालिनी गुरुवार को अपने पति और एक्टर धर्मेंद्र को याद करते हुए भावुक हो गईं। मुंबई में एक इवेंट का वीडियो सामने आया, जिसमें हेमा मालिनी ने कहा, 'उनका सफर पैशन, डेडिकेशन और ऑडियंस के लिए बहुत ज्यादा प्यार से भरा था। वो हमेशा यही कहते थे कि फिल्म दिल से जुड़ने का जरिया है। वह फिल्मों और कैमरे को लेकर पैशनेट थे। उनके लाइफ पार्टनर के तौर पर, मैंने देखा कि वह कितने पैशनेट थे और उन्होंने लाखों लोगों के दिलों को छुआ है और सबके साथ उनका व्यवहार ऐसा था।'

एक्ट्रेस ने आगे कहा, 'उन्होंने एक एक्टर, एक दोस्त, एक पिता के तौर पर बहुत से लोगों को, यहां तक कि यंगस्टर्स को भी इंस्पायर किया है। वह एक महान इंसान थे और मैं बहुत खुशकिस्मत थी कि उनके साथ रही। मुझे उनकी याद आती है। मुझे नहीं पता कि मैं उनके बिना जिंदगी कैसे जीऊंगी, लेकिन वह दूसरी बात है।' धर्मेंद्र का 24 नवंबर 2025 को 89 वर्ष की आयु में मुंबई में निधन हो गया।

कहा मुझे उनकी याद आती है, उनके बिना जिंदगी कैसे जीऊंगी नहीं जानती

एयरपोर्ट पर स्पॉट हुए, आज एक्ट्रेस 38 साल की हुईं

अनुष्का का बर्थडे सेलिब्रेट करने मुंबई पहुंचे विराट

नई दिल्ली। विराट कोहली शुक्रवार को पत्नी अनुष्का शर्मा का 38वां जन्मदिन सेलिब्रेट करने के लिए मुंबई आए। कोहली अहमदाबाद में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और गुजरात टाइटन्स के बीच IPL 2026 का मैच खेलने के बाद मुंबई पहुंचे। वो सुबह मुंबई एयरपोर्ट पर स्पॉट हुए। एयरपोर्ट पर पैपराजी ने कोहली से अनुष्का को जन्मदिन की बधाई देने के लिए कहा।

विराट और अनुष्का की 11 दिसंबर 2017 को इटली में शादी हुई थी। उनके दो बच्चे हैं। बेटी वामिका का जन्म 11 जनवरी 2021 और बेटे अकाय का जन्म 15 फरवरी 2024 को हुआ था। क्रिकेटर विराट कोहली और उनकी पत्नी अभिनेत्री अनुष्का शर्मा ने सोमवार को वृंदावन में संत प्रेमानंद से मुलाकात की।

आश्रम में विराट और अनुष्का बेहद साधारण वेशभूषा और सादगी भरे अंदाज में नजर आए। बिना किसी वीआईपी तामझाम के दोनों ने आम श्रद्धालुओं की तरह जमीन पर बैठकर काफी देर तक सत्संग सुना। दोनों शांत रहे और कोई सवाल नहीं पूछा। आश्रम में विराट और अनुष्का बेहद साधारण वेशभूषा में एकाग्र चित्त होकर महाराज जी की बातों को सुना।

विराट-अनुष्का प्रेमानंद महाराज के आश्रम पहुंचे थे

विराट और अनुष्का हाल ही में वृंदावन में संत प्रेमानंद महाराज के आश्रम पहुंचे थे। कपल ने अक्षय तृतीया पर 19 अप्रैल को वृंदावन पहुंचकर संत प्रेमानंद महाराज के दर्शन किए और आशीर्वाद लिया। दोनों ने प्रेमानंद महाराज का सत्संग भी सुना। दोनों सुबह करीब 10 बजे संत प्रेमानंद महाराज के गुरु संत हित गौरांगी शरण महाराज के वराह घाट स्थित आश्रम पहुंचे थे। यहां दर्शन कर फिर होटल लौटे और करीब 11 बजे रवाना हो गए थे।

साई पल्लवी बॉलीवुड में कदम रख चुकी हैं उनकी और जुनैद स्टारर फिल्म 'एक दिन' सिनेमाघरों में रिलीज चुकीं

साई पल्लवी की जबरदस्त एक्टिंग के बीच कंफ्यूजन से भरी कहानी

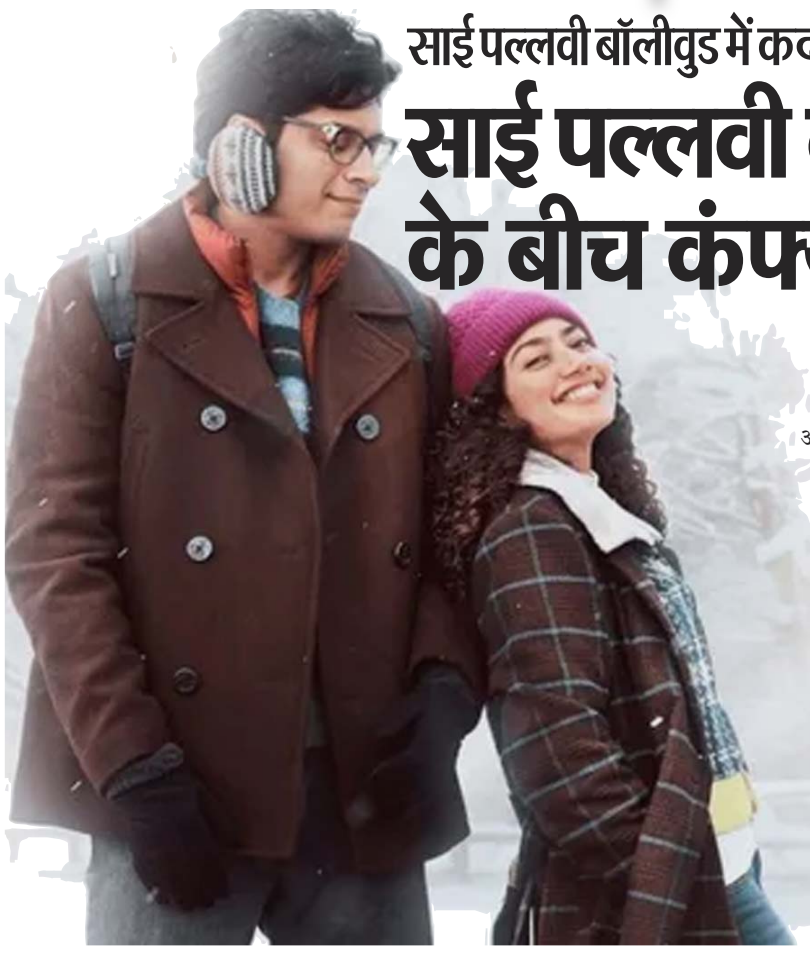

मुंबई। आप जिसे दिल से चाहते हों, वह आपको सिर्फ एक दिन के लिए मिल जाए, तो क्या होगा? खासकर तब, जब वह आपका पहला प्रेम हो। फिल्म 'एक दिन' इसी विषय पर आधारित है। हालांकि, उस एक दिन के प्रेम और भावनाओं को फिल्म इतनी गहराई से नहीं रच पाती कि वे दर्शकों के मन में ठहर सकें। इस वजह से फिल्म मात खा जाती है।

कहानी नोएडा की माइकॉन डिजिटल कंपनी के आईटी विभाग में कार्यरत दिनेश कुमार श्रीवास्तव (जुनैद खान) की है। वह लोगों से नजरें मिलाकर बात भी नहीं कर पाता है। वह कंपनी में ही काम करने वाली मीरा रंगनाथन (साई पल्लवी) से मन ही मन प्यार करता है, लेकिन अपने भाव व्यक्त करने का साहस नहीं जुटा पाता। इस बीच उसे पता चलता है कि मीरा अपने बॉस नकुल (कुणाल कपूर) के साथ प्रेम संबंधों में है। शादीशुदा नकुल अपनी पत्नी से तलाक लेकर मीरा से शादी करने की बात करता है। कंपनी को बड़ा मुनाफा होता है, इसलिए नकुल पूरी टीम को पांच दिन के लिए जापान भ्रमण पर ले जाता है, क्योंकि मीरा की ख्वाहिश जापान जाने की होती है। उसे वहां के स्नो फेस्टिवल और स्थानीय चीजों की जानकारी होती है। वहां एक रहस्यमयी घंटा होता है, जिसके बारे में कहा जाता है कि उसे सच्चे दिल से बजाकर जो भी मांगा जाए, वह इच्छा पूरी होती है। दिनेश मन ही मन में कामना करता है कि काश मीरा एक दिन के लिए उसकी हो जाए। इस बीच नकुल की पत्नी वहां पहुंच जाती है और बताती है कि वह चार माह की गर्भवती है।

दर्शकों के मन में कंफ्यूजन छोड़ देगी फिल्म

अभिनेता आमिर खान के प्रोडक्शन हाउस के तले निर्मित यह फिल्म 2016 की थाई फिल्म 'वन डे' की रीमेक है। सुनील पांडे निर्देशित और स्नेहा देसाई व स्पंदन मिश्रा द्वारा लिखित इस कहानी में जब दिनेश और मीरा एक दिन के लिए साथ आते हैं, तो वह हिस्सा काफी खिंचा हुआ महसूस होता है। मीरा में ऐसी क्या खूबी है कि नकुल और दिनेश दोनों ही उस पर फिदा हैं, इसे लेखक ठीक से स्थापित नहीं कर पाए हैं। जापान पहुंचने के बाद फिल्म का फोकस वहां की संस्कृति और पर्यटन स्थलों के सुंदर चित्रण पर अधिक हो जाता है। कहानी में कुछ सवाल अनुत्तरित रह जाते हैं, जैसे— मीरा को यह याद नहीं रहता कि वह जापान में है, लेकिन होटल का कमरा याद रहता है। इसी तरह नकुल का चित्रण भी अधूरापन लिए हुए है। उसके झूठ के पीछे की वजह स्पष्ट नहीं है।

अराघची को हटाने की तैयारी में पेजेशकियान, रिपोर्ट में बड़ा दावा

ईरान में मची खलबली

मांग

नई दिल्ली, एजेंसी

ईरानी नेतृत्व के भीतर तनाव एक गंभीर मोड़ पर पहुंच गया है। राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान और संसद के स्पीकर मोहम्मद बाकेर गालिबफ कथित तौर पर विदेश मंत्री अब्बास अराघची को पद से हटाने की मांग कर रहे हैं।

यह मतभेद उन आरोपों के कारण पैदा हुआ है कि अराघची ने कैबिनेट मंत्री के तौर पर कम, बल्कि रिवोल्यूशनरी गार्ड्स के कमांडर अहमद वाहिदी के एक सहायक के तौर पर ज्यादा काम किया है। मामले से परिचित सूत्रों ने बताया कि विदेश मंत्री वाहिदी के साथ पूर्ण समन्वय में काम कर रहे हैं और कथित तौर पर राष्ट्रपति पेजेशकियान को सूचित किए बिना उनके निर्देशों पर आधारित नीतियों को लागू कर रहे हैं।

पेजेशयान और वाहिदी के बीच मतभेद पहले 28 मार्च को सामने आए थे, जब सूत्रों ने 'ईरान इंटरनेशनल' को बताया था कि इस विवाद की जड़ ₹युद्ध के प्रबंधन और लोगों की आजीविका तथा देश की अर्थव्यवस्था पर इसके विनाशकारी परिणामों₹ में निहित है।

खबरों के मुताबिक, सत्ता की इस खींचतान ने राष्ट्रपति को ₹पूरी तरह से राजनीतिक गतिरोध₹ में फंसा दिया है। ऐसी भी खबरें हैं कि उनसे संघर्ष के दौरान मारे गए सरकारी अधिकारियों की जगह नए अधिकारियों को नियुक्त करने का अधिकार छीन लिया गया है। कथित तौर पर वाहिदी ने यह दावा किया है कि युद्धकालीन आपातकाल के चलते, सभी संवेदनशील प्रबंधकीय पदों पर सीधे तौर पर रिवोल्यूशनरी गार्ड्स द्वारा ही चयन और संचालन किया जाना चाहिए।

ईरानी मामलों पर केंद्रित ब्रिटेन स्थित मीडिया आउटलेट 'ईरान इंटरनेशनल' के अनुसार, इन दोनों नेताओं ने अराघची पर यह आरोप लगाया है कि उन्होंने राष्ट्रपति पद की अनदेखी करते हुए 'रिवोल्यूशनरी गार्ड' के निर्देशों का पालन किया है।

अराघची को पद से हटाया जा सकता है

इस अंदरूनी दरार के कारण पेजेश्कियन में गहरी असंतोष की भावना पैदा हो गई है। बताया जा रहा है कि उन्होंने अपने करीबी लोगों से कहा है कि यदि मौजूदा स्थिति बनी रहती है तो वह अराघची को पद से हटा देंगे। जैसा कि 'ईरान इंटरनेशनल' ने बताया है कि राष्ट्रपति को लगता है कि संवेदनशील कूटनीतिक दांव-पेचों के दौरान विदेश मंत्री के सैन्य कमान की ओर झुकने से उनकी स्थिति कमजोर हुई है।

तेल कंपनियों ने 2025-26 में रोजाना 116 करोड़ मुनाफा कमाया

इस दौरान क्रूड के दाम 71 डॉलर थे, यह कोरोना दौर के बाद सबसे कम

मुंबई, एजेंसी

ईरान-अमेरिका जंग के बीच अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ब्रेंट क्रूड गुरुवार को 126 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया था, जो 4 साल का उच्चतम स्तर है। हालांकि, बाद में दाम 116 डॉलर तक आ गए। ऐसे में एजेंसियों के हवाले से बताया जा रहा है कि ईरान युद्ध की वजह से महंगे कच्चे तेल से देश की तेल कंपनियों को रोजाना 2,400 करोड़ का नुकसान हो रहा है।

पेट्रोल पर प्रति लीटर 14 रुपए और डीजल पर 18 रुपए का नुकसान झेलना पड़ रहा है। इससे तेल कंपनियां पेट्रो मूल्य बढ़ाने का दबाव बना रही हैं। जबकि हकीकत ये है कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में कच्चे तेल के औसत दाम महज 71 डॉलर प्रति बैरल रहे, जो कोविड वर्ष 2020-21 के बाद सबसे कम हैं।

युद्ध 28 फरवरी 2026 से शुरू हुआ था और 27 फरवरी तक दाम 76 डॉलर प्रति बैरल थे। ऐसे में महज 2 महीने में ही क्रूड की कीमतें चढ़ी हैं। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक 2025-26 के शुरुआती 9 महीनों में देश की चार अग्रणी तेल कंपनियों ने कुल 1.37 लाख करोड़ रु. यानी हर रोज 116 करोड़ रुपए का लाभ कमाया। सरकार ने डीजल के निर्यात पर लगने वाले 'विंडफाल टैक्स' का सहारा लिया है। 11 अप्रैल को सरकार ने डीजल निर्यात पर लगने वाले इस टैक्स को 21.50 रु. प्रति लीटर से बढ़ाकर सीधे 55.5 रुपये प्रति लीटर कर दिया।

भारत से हर महीने औसतन 191 करोड़ लीटर डीजल का निर्यात होता है।

ईरान सीजफायर के बाद क्रूड का क्या भाव है?

ईरान-अमेरिका युद्धबंदी के बाद कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट आई है। इंडियन बास्केट में कच्चे तेल के दाम, जो 150 डॉलर पहुंच गए थे, अब 100 डॉलर प्रति बैरल के करीब आ गए हैं। सरकार ने 27 मार्च को पेट्रोल और डीजल पर लगने वाली एक्साइज ड्यूटी में 10-10 रु. की कटौती की थी। इससे प्रति माह लगभग 12,000 करोड़ के राजस्व नुकसान का अनुमान लगाया है।

फास्ट न्यूज

चीन में 14 साल के किशोर को उम्रकैद की सजा

बीजिंग । चीन की एक अदालत ने 14 वर्षीय किशोर को उम्रकैद की सजा सुनाई है। आरोपी किशोर को अपनी महिला सहपाठी से दुष्कर्म और हत्या का दोषी पाया गया है। आरोपी की पहचान जियांग उपनाम वाले छात्र के तौर पर हुई है। वह दक्षिण पश्चिम चीन के युन्नान प्रांत के कुजिंग शहर के लुओपिंग काउंटी का निवासी है। उसने पिछले साल जुलाई में अपनी 15 वर्षीय सहपाठी को एक रात तक बंधक बनाकर रखा और उसके साथ दुष्कर्म किया।

अफगानिस्तान सीमा के पास 13 दहशतगर्द ढेर

पेशावर । खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में अफगानिस्तान सीमा के पास पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने कम से कम 13 आतंकवादियों को मार गिराया है। यह जानकारी पाकिस्तानी सेना के मीडिया विंग ने शुक्रवार को दी।अंतर-सेवा जनसंपर्क (आईएस-पीआर) ने बताया कि फिटना-अल-ख्वारिज से जुड़े आतंकवादी 28 और 29 अप्रैल को मोहम्मंद और उत्तरी वजीरिस्तान जिलों में मारे गए। फितना अल-ख्वारिज एक ऐसा शब्द है, जिसका इस्तेमाल सरकार प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) को संदर्भित करने के लिए करती है।

पाकिस्तान में जैश के एक और टॉप कमांडर की मौत

संसद और पुलवामा हमले में था शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी

पाकिस्तान में आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा के आतंकियों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का सिलसिला जारी है। इसी कड़ी में बुधवार को पाकिस्तान के बहावलपुर में एक अज्ञात वाहन की टक्कर से जैश के शीर्ष कमांडर मौलाना सलमान की मौत हो गई।

वह जैश सरगना मसूद अजहर का करीबी था और भारत में हुए कई बड़े आतंकी हमलों में शामिल था। इनमें 2001 का संसद हमला और 2019 का पुलवामा हमला शामिल है। वह ऐसे लोगों में से एक था जो ऑपरेशन सिंदूर के दौरान जैश के बहावलपुर मुख्यालय पर हुई बमबारी में घायल हुआ था।

मौलाना सलमान से पहले भी जैश और लश्कर के शीर्ष कमांडर या आतंकी रहस्यमयी परिस्थितियों में मारे गए हैं। सलमान की मौत से ठीक दो दिन पहले लश्कर के शीर्ष आतंकी शेख यूसुफ अफरीदी की खैबर पख्तूनख्वा में अज्ञात लोगों ने हत्या कर दी थी। पिछले वर्ष जैश के मुख्य रणनीतिकार मौलाना अब्दुल अजीज अजर की भी रहस्यमयी परिस्थितियों में मौत हो गई थी, जिस पर से अभी तक पर्दा नहीं हटा है।

जनाजे में शामिल हुए आईएसआईएस के अधिकारी

मौलाना सलमान को बुधवार शाम को ही बहावलपुर के मरकज सुभान-अल्लाह में दफना दिया गया। उसके जनाजे में पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के कुछ अधिकारी भी शामिल हुए, जो आतंकी संगठन को पाकिस्तान के सरकारी प्रतिष्ठान के समर्थन को दर्शाता है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान मारे गए कई आतंकियों के अंतिम संस्कार में भी पाकिस्तानी सेना और आईएसआई के कई अधिकारी शामिल हुए थे। भारतीय सेना के इस आपरेशन में जैश के कई बड़े कमांडर और मसूद अजहर के परिवार के सदस्य मारे गए थे।

ट्रंप बोले- ईरान की सैन्य ताकत और अर्थव्यवस्था हो चुकी है खत्म

'मेरी एक कॉल से रुकी 8 महिलाओं की फांसी'

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को ईरान की स्थिति पर कई बड़े दावे किए। उन्होंने कहा कि अमेरिका की सैन्य कार्रवाई से ईरान की सेना काफी कमजोर हो गई है और बड़े पैमाने पर फांसी रोकने में मदद मिली है। ट्रंप ने ओवल ऑफिस में एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर करते हुए ये बातें कहीं।

अमेरिका की सैन्य कार्रवाईट्रंप ने स्पष्ट किया कि अमेरिका और ईरान के बीच पूर्ण युद्ध नहीं है, बल्कि यह एक सैन्य अभियान है। उन्होंने कहा, ईरान की नौसेना पूरी तरह खत्म हो गई है।

ट्रंप ने एक पहलवान समेत कई लोगों के राजनीतिक बयानों के लिए फांसी दिए जाने का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि ईरान में विरोध करने वालों पर बहुत सख्ती की जा रही है और असली मौत का आंकड़ा बताए गए आंकड़ों से कहीं ज्यादा हो सकता है। ट्रंप ने अमेरिकी अर्थव्यवस्था का जिक्र करते हुए कहा कि स्टॉक मार्केट नई ऊंचाई पर पहुंचा है। उन्होंने कहा कि जब डॉव 50,000 और एसएंडपी 7,000 के पार पहुंचा तो उन्होंने सोचा कि अब ईरान के मुद्दे पर कुछ करना चाहिए। ट्रंप ने दोहराया कि ईरान को परमाणु हथियार कभी नहीं बनाने दिया जाएगा।

ईरान में बड़े पैमाने पर मौतें

ट्रंप का आरोप है कि ईरान में पिछले दो महीनों में विरोध प्रदर्शनों के दौरान 42,000 लोगों को मार दिया गया। उन्होंने कहा कि ये लोग निहत्थे थे और सिर्फ विरोध करने के लिए मारे गए। ट्रंप ने दावा किया कि ईरान आठ महिलाओं को फांसी देने की तैयारी कर रहा था, लेकिन उन्होंने फोन पर हस्तक्षेप किया और उन्हें रोक दिया। उन्होंने कहा, मैंने उनसे कहा - ऐसा मत करो, पूरी दुनिया देख रही है। मुझे खुशी है कि उन्होंने ऐसा नहीं किया।

मिसाइल फैक्टरियां करीब 90% तक तबाह हो चुकी हैं

ट्रंप ने कहा कि ईरान अब डील करने के लिए बेताब है। ईरान की अर्थव्यवस्था पर असरराष्ट्रपति ट्रंप ने बताया कि अमेरिका की नाकेबंदी (ब्लॉकेड) बहुत प्रभावी साबित हुई है। ईरान को तेल से कोई आय नहीं हो रही है और उसकी अर्थव्यवस्था बुरी तरह चरमरा रही है। उन्होंने उम्मीद जताई कि जल्द ही कोई समझौता हो जाएगा।

इस बीच ईरान के संसद अध्यक्ष ने कहा कि तेहरान फारस की खाड़ी की सुरक्षा सुनिश्चित करेगा और अमेरिका के हस्तक्षेप को रोकने के लिए होर्मुज जलडमरूमध्य पर अपना नियंत्रण बढ़ाएगा।

नौकरी न लगने और आर्थिक तंगी से था परेशान, पार्थिव शरीर को जल्द स्वदेश लाने की प्रक्रिया शुरू

अमेरिका में भारतीय युवक ने दी जान

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिका के शिकागो में रह रहा आंध्र प्रदेश निवासी 26 वर्षीय युवक इरागनाबोयिना चंदू ने बेरोजगारी और आर्थिक तंगी से टूटकर आत्महत्या कर ली। इरागनाबोयिना चंदू आंध्र प्रदेश के कुरनूल जिले का रहने वाला था, जिसने हाल ही में डीपॉल यूनिवर्सिटी से मास्टर्स पूरा किया था।

कुरनूल जिले के निवासी चंदू अमेरिका में नौकरी न मिलने और सुरक्षा गार्ड पिता पर आर्थिक बोझ बनने के कारण यह कदम उठाया। अब अमेरिका में रह रहे भारतीय समुदाय शव को भारत भेजने और परिवार का कर्ज चुकाने के लिए फंड जुटा रहा है। वहीं, केंद्र और राज्य सरकार की ओर से भी पार्थिव शरीर को जल्द स्वदेश लाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। अमेरिका से भारत तक अंतर-राष्ट्रीय प्रत्यावर्तन की लागत लगभग 25,000 डॉलर है। जिसमें अंतिम संस्कार सेवाएं, कानूनी परमिट और परिवहन शामिल हैं। अमेरिका में रहने वाले भारतीय समुदाय के सदस्यों ने चंदू के शव को घर वापस लाने में परिवार की मदद के लिए 1,20,000 डॉलर जुटाने का अभियान शुरू किया है। पिछले दो दिनों में 76,000 डॉलर से अधिक की राशि जुटाई गई है। धन जुटाने वाले पेज पर लिखा था, चंदू बड़े सपनों, आशाओं और कई अन्य अंतरराष्ट्रीय छात्रों जैसी महत्वाकांक्षाओं से भरे दिलों के साथ शिकागो आया था। वह एक अद्भुत इंसान था - उदार, मिलनसार और अपने दोस्तों और छोटे भाई के लिए सहारा था। दुख की बात है कि उसके सामने आने वाली चुनौतियों का बोझ असहनीय हो गया। उसके सपने अधूरे रह गए और भारत में उसका परिवार इस असहनीय क्षति से टूट गया है।

नौकरी की तलाश में परेशान था चंदू

इरागनाबोयिना चंदू ने शिकागो के डीपॉल विश्वविद्यालय से स्नातकोत्तर की उपाधि प्राप्त की थी। जानकारी के अनुसार, वह कई हफ्तों से नौकरी की तलाश में जुटे हुए थे, लेकिन नौकरी नहीं मिल पाई थी।

वह अपने परिवार पर आर्थिक रूप से निर्भर होने के कारण परेशान था। उसके पिता सिक्योरिडी गार्ड का काम करते हैं। बेरोजगारी और पारिवारिक तंगी के कारण चंदू ने शिकागो में आत्महत्या कर ली। हालांकि अभी जांच से संबंधित विवरणों का खुलासा नहीं हुआ है।

> **एक सोशल मीडिया यूजर ने आंध्र प्रदेश के मंत्री नारा लोकेश को पत्र लिखकर चंदू को घर लाने में मदद मांगी। इस पोस्ट पर ध्यान देते हुए लोकेश ने शोक व्यक्त किया और केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू से पात्र के सुचारू और निर्बाध परिवहन को सुनिश्चित करने का अनुरोध किया।**

स्कूल अध्यापिका ने नाबालिग छात्र का किया यौन शोषण

मिशिगन । अमेरिका में एक 27 साल की स्कूल टीचर को नाबालिग छात्र का यौन शोषण करने का दोषी पाए जाने के बाद 4 से 15 साल की सजा सुनाई गई है। दोषी अध्यापिका ने खुद नाबालिग छात्र का यौन शोषण करने की बात स्वीकार की थी। महिला टीचर ने स्वीकार किया कि नाबालिग छात्र को उसके घर पर ट्यूशन पढ़ाते समय उसका शोषण किया।

गौतम अडाणी शादी की 40वीं सालगिरह पर केदारनाथ पहुंचे

पत्नी के साथ जलाभिषेक किया, कंपनी बना रही 4,081 करोड़ से रोपवे

रुद्रप्रयाग, एजेंसी

गौतम अडाणी ने आज सुबह रुद्रप्रयाग स्थित केदारनाथ धाम के दर्शन किए। अडाणी ने शादी की 40वीं सालगिरह पर पत्नी प्रीति अडाणी के साथ महादेव का जलाभिषेक किया। इसी दौरान VIP कल्चर को देखकर वहां मौजूद पुजारी व श्रद्धालु भड़क गए और नारेबाजी करने लगे।

अडाणी सुबह दिल्ली से देहरादून पहुंचे और वहां से प्राइवेट हेलिकॉप्टर से धाम पहुंचे। दर्शन के बाद उन्होंने प्रस्तावित सोनप्रयाग-केदारनाथ रोपवे परियोजना का एरियल सर्वे किया। इसके बाद अडाणी ने धाम से जुड़ी फोटो शेयर की। केदारनाथ के कपाट 22 अप्रैल को लोगों के लिए खोल दिए गए थे। जिला प्रशासन के मुताबिक, अब तक यहां 2.5 लाख से ज्यादा लोग दर्शन कर चुके हैं। गौतम अडाणी की कंपनी अडाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड (एईएल) ने बताया कि उनको सितंबर में सोनप्रयाग से केदारनाथ को जोड़ने वाले लगभग 13 किलोमीटर लंबे रोपवे प्रोजेक्ट के निर्माण का ठेका मिला था। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने इस मार्च 2025 में इस रोपवे प्रोजेक्ट को मंजूरी दी थी। इसे पूरा होने में करीब 5 साल का वक्त लगेगा। केंद्र ने केदारनाथ धाम और हेमकुंड साहिब के लिए रोप-वे प्रोजेक्ट को इस मार्च 2025 में मंजूरी दी थी।

अडाणी की कंपनी बना रही केदारनाथ में रोपवे

अडाणी की कंपनी सोनप्रयाग-केदारनाथ रोपवे परियोजना पर काम कर रही। लगभग 13 किलोमीटर लंबी यह रोपवे प्रणाली दुनिया के सबसे ऊंचे और चुनौतीपूर्ण भौगोलिक क्षेत्रों में से एक में स्थापित की जा रही है। अभी श्रद्धालुओं को सोनप्रयाग से केदारनाथ तक पहुंचने के लिए 16 किलोमीटर की खड़ी और थका देने वाली पैदल चढ़ाई करनी पड़ती है, जिसमें औसतन 8 से 9 घंटे का समय लगता है। हालांकि, इस रोपवे के शुरू होने के बाद यह कष्टकारी सफर महज 36 मिनट में सिमट जाएगा।

सुनवाई : कोर्ट में नहीं किया जमानत का विरोध, आरोपी समाज के लिए खतरा है और उसे जेल में रखा जाना चाहिए

हिरासत में रहेगा डोनल्ड ट्रंप पर हमले की साजिश का आरोपी

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप पर कथित हमले की साजिश के मामले में गिरफ्तार 31 वर्षीय आरोपी कोल एलन ने अदालत में पेशी के दौरान फिलहाल हिरासत में रहने पर सहमति जताई है। सुनवाई के दौरान उसके वकील तेजीरा एब ने कहा कि वह अभियोजन पक्ष के इस तर्क का अभी विरोध नहीं करेंगे कि आरोपी समाज के लिए खतरा है और उसे जेल में रखा जाना चाहिए।

अदालत के दस्तावेजों के अनुसार, एलन ने उस सीढ़ी की ओर गोली चलाई थी जो सीधे बॉलरूम की तरफ जाती थी। घटना के दौरान एक सीक्रेट सर्विस एजेंट ने तेज धमाके की आवाज सुनी और बाद में शॉटगन में इस्तेमाल किया गया कारतूस बरामद हुआ। अभियोजन ने यह भी दावा किया कि एलन का निशाना डोनल्ड ट्रंप थे। इसके समर्थन में उन्होंने एक ईमेल का जिक्र किया, जो कथित तौर पर एलन ने घटना की रात अपने रिश्तेदारों को भेजा था।

एलन ने बनाई हमले की योजना

सरकारी वकीलों ने अदालत में दायर दस्तावेजों में कहा कि एलन ने हमले की पूरी योजना बनाई थी। वह कैलिफोर्निया से ट्रेन के जरिए वॉशिंगटन पहुंचा और उसके पास शॉटगन, .38 कैलिबर पिस्टल के साथ-साथ चाकू और अन्य धारदार हथियार भी थे। अभियोजन का दावा है कि वह अमेरिकी सरकार के शीर्ष अधिकारियों को निशाना बनाकर सामूहिक गोलीबारी करने के इरादे से आया था।

> **अभियोजन पक्ष के मुताबिक, कोल एलन ने शनिवार को व्हाइट हाउस कॉरेस्पॉन्डेंट्स डिनर के दौरान सुरक्षा जांच चौकी को पार कर हमला करने की कोशिश की थी। आरोप है कि उसने वॉशिंगटन हिल्टन होटल के बाहर शॉटगन से फायरिंग की, जहां करीब 2,600 पत्रकार, नेता और अन्य मेहमान मौजूद थे।**

कौन-कौन से आरोप लगाए गए

एलन पर हत्या के प्रयास, हिंसक अपराध के दौरान हथियार चलाने और अवैध रूप से हथियार व गोला-बारूद को एक राज्य से दूसरे राज्य ले जाने के आरोप लगाए गए हैं। हालांकि उसने अभी तक अदालत में अपना पक्ष (प्ली) दर्ज नहीं कराया है।

बचाव पक्ष ने दावों पर उठाए सवाल

बचाव पक्ष ने सरकारी दावों पर सवाल उठाते हुए कहा कि मामले में कई खामियां हैं। उन्होंने यह भी कहा कि शुरुआत में जो दावा किया गया था कि एलन ने एक सीक्रेट सर्विस एजेंट को गोली मारी, उस पर अब संदेह है। अभियोजन पक्ष ने भी अदालत में यह स्पष्ट नहीं किया कि एजेंट को गोली एलन ने ही मारी थी, हालांकि एजेंट बुलेटप्रूफ जैकेट की वजह से गंभीर रूप से घायल नहीं हुआ।

अनिल अंबानी को गिरफ्तार क्यों नहीं किया : याचिकाकर्ता

40,000 करोड़ के फ्रॉड केस में सुप्रीम कोर्ट में बहस

नई दिल्ली, एजेंसी

अनिल अंबानी की कंपनियों से जुड़े 40,000 करोड़ रुपए के लोन फ्रॉड मामले में सुप्रीम कोर्ट में तीखी बहस हुई। याचिकाकर्ता वकील प्रशांत भूषण ने कोर्ट में पूछा कि जब सेबी (SEBI) खुद अनिल अंबानी को इस पूरे घोटाले का मास्टरमाइंड बता चुकी है, तो फिर उन्हें अब तक गिरफ्तार क्यों नहीं किया गया?

इस सवाल पर प्रवर्तन निदेशालय (ED) की तरफ से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि जांच एजेंसियां इस बात का जवाब देने के लिए बाध्य नहीं हैं कि उन्होंने किसी 'X' या 'Y' व्यक्ति को अब तक गिरफ्तार क्यों नहीं किया।

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कोर्ट को जानकारी दी कि जांच के दौरान कुछ नए सबूत मिलने के बाद एजेंसियों ने 2 नई FIR दर्ज की हैं। उन्होंने कहा कि जांच जारी है और वे व्यक्तिगत गिरफ्तारी के सवालों पर प्रतिक्रिया नहीं दे सकते।

इससे पहले प्रशांत भूषण ने तर्क दिया था कि ED ने इस मामले में कुछ छोटे कर्मचारियों को तो गिरफ्तार किया है, लेकिन मुख्य आरोपी अनिल अंबानी पर अब तक वैसी कार्रवाई नहीं हुई है। CJI सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने इस मामले की सुनवाई की। कोर्ट ने अब इस मामले को 8 मई के लिए टाल दिया है। उस दिन ED और CBI द्वारा दाखिल की गई नई 'स्टेटस रिपोर्ट' पर विचार किया जाएगा। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि वह आगे कोई भी निर्देश जारी करने से पहले इन जांच एजेंसियों की विस्तृत रिपोर्ट देखना चाहता है।

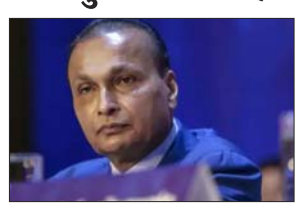

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड-224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं है।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96